

क्या
इस कोटेशन काल से
आप नोआईस, टीवी,
कम्यूटर का उपयोग
ज्यादा कर रहे हैं
तो सो जाइये

सावधान

आपकी आँखों को 1. जलाने
2. सूखने
3. लाल होने
4. जलाने
5. सूखने
6. लाल होने
7. जलाने
8. सूखने
9. लाल होने
10. जलाने

चश्मा घर

केवल **चश्मा**
से **प्रति**

₹ 595/-

आपकी आँखों को 1. जलाने
2. सूखने
3. लाल होने
4. जलाने
5. सूखने
6. लाल होने
7. जलाने
8. सूखने
9. लाल होने
10. जलाने

CHASHMA GHARS
KORBA (BALCO) NHARKATA (NTPC) CHAMPA (DPR)
958 1736 347 Email: www.chhattisgarhghars.com

दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी
शृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खावेंगे, बार-बार आवेंगे...

पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 162 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपये

रविवार 14 सितंबर 2025 डाक-सोमवार 15 सितंबर 2025

chhattisgarhaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

ब्रिटेन में सबसे बड़ा प्रवासी विरोधी प्रदर्शन, लंदन की सड़कों पर उतरे 1 लाख से ज्यादा लोग, पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी

लंदन, 14 सितंबर (एजेंसी)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हालिया इतिहास का सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ, जहां एक लाख से ज्यादा लोगों ने प्रवासी विरोधी मार्च में हिस्सा लिया। यूनाइटेड किंगडम नाम से किए गए इस प्रदर्शन का आयोजन प्रवासी और इस्लाम विरोधी कट्टर दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन ने आयोजित किया था। लंदन पुलिस ने बताया कि प्रवासियों के विरोध में किए गए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस अधिकारियों पर हमला किया गया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार प्रवासी विरोधी मार्च में लगभग 110000 लोग शामिल हुए। पुलिस ने बताया कि झड़पों में 26 अधिकारी घायल हुए हैं और 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सहायक आयुक्त मैट टिवव्स्ट ने एक बयान में हमलों को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताते हुए इसकी निंदा की। टिवव्स्ट ने कहा, घटना के बाद हमारी जांच शुरू हो चुकी है। हम उन लोगों की पहचान कर रहे हैं, जो इस उग्रवाद में शामिल थे और आने वाले दिनों और हफ्तों में उन पर कड़ी पुलिस कार्रवाई की उम्मीद की जा सकती है। लंदन के मेयर सादिक खान ने भी कहा कि हिंसा और पुलिस अधिकारियों पर हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। यूनाइटेड किंगडम और इंग्लैंड के झंडे लहराते हुए प्रदर्शनकारियों ने वाइटहॉल की ओर मार्च किया, जहां प्रधानमंत्री कार्यालय और सरकारी विभाग स्थित हैं।

ब्रिटेन से तिहाड़ लाए जाएंगे विजय माल्या-नीरव मोदी?

काला धन कब लाओगे... पेट्रोल 30₹/लीटर कब दिलाओगे?

वाह वाह

०० डॉक्टर- जब आपको पता था कि छिपकली आपकी नाक में घुस रही है, तो आपने उसे रोका क्यों नहीं? मरीज- पहले कॉकरोच गया था, तो मैंने सोचा कि वो उसे पकड़ने जा रही होगी.....

मैं शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल जाता हूं, असम के दरांग में बोले पीएम मोदी



गुवाहाटी, 14 सितंबर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूर्वोत्तर दौरे का आज दूसरा दिन है, जहां वे असम में 18,530 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। शनिवार को मणिपुर के बाद गुवाहाटी पहुंचे पीएम मोदी ने भारत रत्न भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और रोड शो किया।

आज उन्होंने दरांग, गुवाहाटी और गोलाघाट में कई बड़ी परियोजनाओं की नींव रखी, जिनमें रिंग रोड और नुमालीगढ़ रिफाइनरी संयंत्र से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर पी लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। आप

मुंबई हवाई अड्डे पर फर्जी पासपोर्ट के साथ नेपाली और बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई , 14 सितंबर (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। यहां दो विदेशी नागरिकों को फर्जी भारतीय पासपोर्ट के साथ पकड़ा गया। ये गिरफ्तारियां अवैध यात्रा के साथ-साथ एक बड़े फर्जी दस्तावेजों के रैकेट का पर्दाफाश करने वाली हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) , 336(2)(3) , 340(2) और पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 29 वर्षीय नेपाली नागरिक कृष्णा मार्पण तमंग और 67 वर्षीय बांग्लादेशी नागरिक निरंजन नाथ सुबल चंद्रनाथ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने कोलकाता में नकली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाए थे। इन फर्जी पासपोर्टों का इस्तेमाल करके उन्होंने कई विदेशी यात्राएं भी की हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि पासपोर्ट बनवाने के लिए फर्जी आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्रों का सहारा लिया गया था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, घटना की जानकारी देते हुए सवार पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि निरंजन नाथ ओमान की राजधानी मस्कत से मुंबई लौट रहा था। इमीग्रेशन काउंटर पर उसके दस्तावेजों की सख्त जांच की गई। इसमें कई संदिग्ध बातें सामने आईं, जैसे पासपोर्ट की डिटेल्स में विसंगतियां और गलत जानकारी।

लखनऊ एयरपोर्ट पर टला इंडिगो विमान हादसा, डिंपल यादव सहित 151 यात्री थे सवार, टेकऑफ के बाद उड़ी ही नहीं फ्लाइट

लखनऊ, 14 सितम्बर (एजेंसी)। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टल गया। यहां दिल्ली के लिए उड़ान भरने जा रहे इंडिगो के फ्लाइट में तकनीकी दिक्कत की वजह से टेकऑफ से पहले ही इमर्जेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। विमान में समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव सहित 151 यात्री सवार थे। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब फ्लाइट संख्या 6ई-2111 में तकनीकी खराबी आ गई। बताया जा रहा है कि लखनऊ-दिल्ली रूट पर उड़ान भरने जा रही इंडिगो की फ्लाइट टेक ऑफ से ठीक पहले ही रुक गई। रनवे पर तेज रफ्तार से दौड़ने के



बाद भी फ्लाइट हवा में उठ नहीं पाया था। फ्लाइट कैप्टन ने सुझबुझ दिखाते हुए अंतिम छोर से पहले ही फ्लाइट को रोक दिया था। इस फ्लाइट में करीब 151 यात्री सवार थे।

सूत्रों का कहना है कि इसी फ्लाइट में सपा सांसद डिंपल यादव भी मौजूद थीं। अचानक हुए इस घटनाक्रम से यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई थी। सभी यात्रियों के चेहरे पर दहशत

साफ झलक रही थी। इस दौरान यात्रियों ने कहा कि ईश्वर ने बचा लिया वरना बड़ा हादसा हो सकता था। उधर एयरपोर्ट सूत्रों की माने तो यह इंडिगो की फ्लाइट थी, फ्लाइट करीब 11 बजे उड़ान भरने के लिए रनवे पर पहुंचा था। बताया जा रहा है कि फ्लाइट के रफ्तार भरते ही असामान्य सी आवाज सुनाई दी। फ्लाइट को पर्याप्त श्रष्ट नहीं मिला, जिसके चलते उसे हवा में उठाने की स्थिति नहीं बन सकी।

छत्तीसगढ़ में न्यूड पार्टी मामले ने पकड़ा तूल, महिला आयोग ने लिया संज्ञान

रायपुर, 14 सितंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की राजधानी में इंस्टाग्राम पर न्यूड पार्टी का एक पोस्टर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। सिनफुल राइटर। नामक आईडी से किए गए इस पोस्ट में पार्टी की जगह और 18+ कपल्स, युवतियों और महिलाओं के शामिल होने का दावा किया गया था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से फैला, जिसके बाद पुलिस और महिला आयोग ने इसे गंभीरता से लिया।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए रायपुर पुलिस अधीक्षक और साइबर सेल प्रमुख को जांच का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि दो दिन में प्रारंभिक रिपोर्ट और अंतिम व्यक्ति की गिरफ्तारी तक रोजाना प्रगति रिपोर्ट भेजनी होगी। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

यह पहली बार नहीं है जब रायपुर में विवादित आयोजन सुर्खियों में आया हो। इससे पहले विधानसभा रोड के एक क्लब में फेक वोटिंग पार्टी आयोजित हुई थी, जिसका बजरंग दल और

अन्य संगठनों ने विरोध किया था।

कथित न्यूड पार्टी पोस्टर के सामने आते ही कांग्रेस ने सरकार और पुलिस पर निशाना साधा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ऐसे आयोजन प्रशासनिक संरक्षण के बिना संभव नहीं। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया कि सरकार का डर खत्म होने से इस तरह के टैंड बढ रहे हैं। कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने इसे प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर पर हमला बताया।

बजरंग दल ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। विभाग संयोजक रवि वाधवानी ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे खुद क्लबों को बंद कराएंगे।

सरकार की ओर से गृह मंत्री विजय शर्मा, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि ऐसी धुष्टता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी और प्रदेश की संस्कृति को आहत करने वाले आयोजनों की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के कारण वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित, तेज बारिश और भूस्खलन से खतरा बरकरार

कटरा , 14 सितंबर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब हो रहे मौसम के चलते प्रसिद्ध धार्मिक स्थल वैष्णो देवी यात्रा को एक बार फिर से अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। प्रशासन ने यह निर्णय तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है।

गौरतलब है कि यह यात्रा पहले ही 19 दिनों तक स्थगित रह चुकी थी और (14 सितंबर) रविवार से इसे फिर से शुरू किए जाने की योजना थी। लेकिन अचानक तेज बारिश और ट्रैक पर बिगड़ती स्थिति के कारण यात्रा को दोबारा रोकना पड़ा है। भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में फिसलन और लैंडस्लाइड की आशंका बनी हुई



है, जिससे यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है। इससे पहले 26 अगस्त को मंदिर के मार्ग में हुए एक बड़े भूस्खलन की घटना में 34 तीर्थयात्रियों की दुखद मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद से ही प्रशासन ने यात्रा को रोक दिया था और स्थिति सामान्य होने तक मार्ग को बंद

रखा गया था। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे मौसम साफ होने और प्रशासन द्वारा अगली सूचना जारी होने तक यात्रा की योजना न बनाएं। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है और मौसम में सुधार होते ही यात्रा को दोबारा शुरू करने की संभावना है।

पलामू में सुरक्षाबलों और टीपीसी नक्सलियों के बीच मुठभेड़, 5 लाख का इनामी ढेर



बोकारो जिले के छोड़ी गांव का रहने वाला अमित 96 नक्सली वारदातों में वांटेड था।

झारखंड पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में हर महीने औसतन तीन नक्सली मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं। पुलिस का अनुमान है कि फिलहाल राज्य

में 100 से 150 माओवादी सक्रिय हैं। फिलहाल 58 नक्सली इनामी सूची में हैं, जिन पर कुल 5 करोड़ 46 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

झारखंड पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में भाकपा माओवादी के 13 बड़े नक्सली हैं, जिनमें

मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी और असीम मंडल पर एक-एक करोड़ का इनाम है। इनके अलावा, अनमोल, मोछू, अजय महतो, अगेन अंजरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, जयकांत और रापा मुंडा भी सूची में शामिल हैं।

इस साल नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ी मुठभेड़ 21 अप्रैल को हुई थी, जब बोकारो जिले के लुगु पहाड़ पर एक करोड़ के इनामी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक सहित आठ माओवादी मारे गए थे। झारखंड पुलिस और केंद्रीय बल मार्च 2026 तक राज्य को नक्सल मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत अभियान चला रहे हैं। इस वर्ष जनवरी से अब तक कुल 24 नक्सली मारे जा चुके हैं।

लद्दाख से डोकलाम तक चीन पर नजर,सीमा के पास बिछेगा रेलवे का जाल, योजना को मंजूरी



नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसी)। भारत ने अपनी पूर्वोत्तर सीमा की और ने दीर्घकालिक रणनीति तैयार की है। मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर रेल परियोजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत 500 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाई जाएगी, जिसमें पुल और सुरंगें भी शामिल होंगी। इन रेलमार्गों के जरिए चीन, बांग्लादेश, म्यांमार और भूटान से सटी दूरदराज की सीमावर्ती जगहों तक पहुंच आसान होगी। इस परियोजना पर

सरकार करीब 30 हजार करोड़ रुपए (लगभग 3.4 अरब डॉलर) खर्च करेगी और इसे चार साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह कदम उस समय उठाया गया है, जब भारत और चीन के रिश्तों में हाल में कुछ नरमी के संकेत मिले हैं, लेकिन दशकों पुराने उत्तार-

चढ़ाव वाले संबंधों को देखते हुए भारत ने दीर्घकालिक रणनीति तैयार की है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार लद्दाख क्षेत्र में भी नई रेल लाइनों की संभावना पर अध्ययन कर रही है। फिलहाल रेल नेटवर्क कश्मीर घाटी के बaramulla तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान सीमा के पास 1,450 किलोमीटर नई सड़कों और डोक लाम क्षेत्र में अपग्रेड डेड इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया है।

बंगाल की खाड़ी में बना नया सिस्टम, रायपुर-बिलासपुर समेत कई जिलों में मौसम विभाग की चेतावनी

बिलासपुर, 14 सितंबर (एजेंसी)। आने वाले सप्ताह में मौसम बदलते तेवर दिखा सकता है। मौसम विशेषज्ञ ने बताया कि 14 सितंबर से हल्की वर्षा की संभावना बनी हुई है। मानसून द्रोणिका के सक्रिय होने और बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब का क्षेत्र बनने से इसका असर पूरे छत्तीसगढ़ में दिखाई देगा।

विशेषज्ञों के अनुसार सप्ताह की शुरुआत हल्की वर्षा और बादलों से होगी, वहीं मध्य सप्ताह में गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश के संकेत हैं। इससे किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि धान की फसल को नई ऊर्जा मिलेगी। हालांकि, उमस और गर्मी



से राहत की उम्मीद है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में बिलासपुर समेत प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में झमाझम वर्षा की संभावना जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में सक्रिय होने और बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब का क्षेत्र बनने से इसका असर पूरे छत्तीसगढ़ में दिखाई देगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिजोरम के आइजोल में 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

देश के लिए, विशेष रूप से मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन, आज से आइजोल भारत के रेलवे मानचित्र पर होगा, मिजोरम की हमारी एक्ट ईस्ट नीति और उभरते पूर्वोत्तर आर्थिक गलियारे दोनों में प्रमुख भूमिका है, अगली पीढ़ी की जीएसटी का अर्थ है कई उत्पादों पर कम कर, परिवारों का जीवन आसान बनाना, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है

बिलासपुर, 14 सितंबर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिजोरम के आइजोल में 9000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्जा, खेल सहित कई क्षेत्र लाभान्वित होंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने नीले पहाड़ों की इस खूबसूरत धरती के संरक्षक, परम पूज्य भगवान पाथियन को नमन किया। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि वे मिजोरम के लैंगपुई हवाई अड्डे पर मौजूद हैं और मौसम खराब होने के कारण आइजोल में लोगों से मिल सके। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के बावजूद वे इस माध्यम से भी लोगों के प्यार और स्नेह को महसूस कर सकते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि चाहे स्वतंत्रता आंदोलन हो या राष्ट्र निर्माण, मिजोरम के लोग योगदान देने के लिए हमेशा आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि लालनु गेपुइलियानी और पासलथा खुआंगचेरा जैसी विभूतियों के आदर्श राष्ट्र को प्रेरित करते रहते हैं। श्री मोदी ने कहा कि त्याग और सेवा, साहस और करुणा, मिजो समाज में गहराई से समाहित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आज, मिजोरम भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस दिन को देश, विशेषकर मिजोरम के लोगों के लिए ऐतिहासिक बताते हुए, श्री मोदी ने कहा, आज से आइजोल भारत के रेलवे मानचित्र पर होगा। अतीत को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया

सामाजिक कार्यकर्ता राजेश के प्रयास से दिव्यांग युवती को मिला ट्रायसिकल

एडीजे ने स्वयं प्रदान कर बढ़ाया हौसला



कोरबा (छ.ग.गौरव)। सामाजिक सरोकार का सुंदर उदाहरण पेश करते हुए कोरबा न्यायालय के एडीजे ने ग्राम पंचायत बतारी की 20 वर्षीय दिव्यांग युवती चांदनी को ट्रायसिकल भेंट किया। लंबे समय से सहारे के अभाव में आने-जाने में कठिनाई झेल रही चांदनी को यह ट्रायसिकल मिलने से उसके जीवन में बड़ी राहत आई है। यह पहल सामाजिक कार्यकर्ता राजेश यादव के प्रयासों से संभव

हुई। जानकारी मिलने पर उन्होंने युवती की समस्या को गंभीरता से लिया और समाज कल्याण बोर्ड के अधिकारियों तक गुहार लगाई। इसके बाद एडीजे ने स्वयं अपने हाथों से ट्रायसिकल प्रदान कर चांदनी का उत्साह बढ़ाया। ट्रायसिकल मिलने के बाद चांदनी के चेहरे पर खुशी झलक उठी। ग्राम बतारी में भी इस घटना से उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

राशिफल

मेघ : रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी। व्यर्थ के खर्चों पर नियंत्रण रखें। महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्बलित करेगी। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

बृषभ : ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। किसी बड़ी यात्रा के प्रति उत्साहित होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर होंगे।

मिथुन : नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। आवेश में लिये निर्णय से पश्चाताप संभव। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। घरेलू वातावरण में कटुता न आने दें।

कर्क : कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। किसी नई दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

सिंह : रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में लिये गये निर्णय से हानि की आशंका है। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्बलित करेंगी।

कन्या : असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। अतः इसे सुधारें। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का भी योग है।

तुला : बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलें।

वृश्चिक : दूसरों की आलोचना का असर अपने मनोबल पर न पड़ने दें। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। किसी विपरीतलिंगी संबंध में आकर्षण बढ़ेगा।

धनु : दूसरों की बात इधर से उधर न करें, अन्यथा छवि कुप्रभावित हो सकती है। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। अच्छी योजनाएं फलीभूत होती नजर आयेगी।

मकर : मित्रवत संबंधों का लाभ मिलेगा। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों।

कुम्भ : आपको सारी समस्याएं खुद सुलझ जाएंगी, थोड़ा धैर्य पूर्वक वक्त का इंतजार करें। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें, क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। राजनीतिज्ञों की सरगमियां बढ़ेंगी।

मीन : नये कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जोषिका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम तीव्र होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कि कुछ वर्ष पहले उन्हें आइजोल रेलवे लाइन की नींव रखने का अवसर मिला था। उन्होंने इस रेलवे लाइन को देश को समर्पित किया। श्री मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि दुर्गम क्षेत्र सहित कई चुनौतियों के बावजूद बैराबी-सैरांग रेल लाइन अब एक वास्तविकता बन गई है। उन्होंने इंजीनियरों के कौशल और श्रमिकों की भावना की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही यह उपलब्धि संभव हो पाई है।

प्रधानमंत्री कहा कि लोग और देश हमेशा मन से सीधे जुड़े रहें हैं। उन्होंने यह भी कहा की पहली बार, मिजोरम का सैरांग राजधानी एक्सप्रेस द्वारा दिल्ली से सीधे जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक रेल संपर्क नहीं है, बल्कि परिवर्तन की जीवन रेखा है और यह मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि मिजोरम के किसान और व्यवसाय अब देश भर के अधिक बाजारों तक पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के ज्यादा विकल्प मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि इस विकास से पर्यटन, परिवहन और आतिथ्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय से देश में कुछ राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान ज्यादा वोट और सीटें पाने वाले क्षेत्रों पर रहा। परिणामस्वरूप, मिजोरम जैसे राज्यों सहित पूरे पूर्वोत्तर को इस रविये से भारी नुकसान उठाना



पड़ा। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि वर्तमान दृष्टिकोण बहुत अलग है और जो लोग पहले उपेक्षित थे, वे अब सबसे आगे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग कभी हाशिए पर थे, वे अब मुख्यधारा का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से सरकार पूर्वोत्तर के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र देश का विकास इंजन बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पूर्वोत्तर के कई राज्य पहली बार भारत के रेल मानचित्र पर शामिल हुए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत सरकार ने सभी प्रकार की कनेक्टिविटी-ग्रामीण सड़कें और राजमार्ग, मोबाइल और इंटरनेट कनेक्शन, बिजली, नल से जल और एलपीजी कनेक्शन को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किए हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि मिजोरम को हवाई यात्रा के लिए उड़ान योजना का भी लाभ मिलेगा और बताया कि इस क्षेत्र में जल्द ही हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू होंगी। श्री मोदी ने कहा कि इससे मिजोरम के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच में काफी सुधार होगा। सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, प्रधानमंत्री ने लैंगगुआम में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का भी उद्घाटन किया। इससे विद्यालय नामांकन में सुधार होगा, स्कूल छोड़ने की दर को कमी आएगी और आदिवासी युवाओं को समग्र शिक्षा के अवसर मिलेंगे।



जिला जेल से फरार चौथा बंदी भी गिरफ्तार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पिछले महीने जिला जेल से फरार हुए चारों बंदियों की तलाश में लगी कोरबा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लगातार फरार चल रहे चौथे आरोपी चंद्रशेखर राठिया को भी पुलिस ने पकड़ लिया है। उसे हाट्टी के जंगल से दबोचा गया। इससे पहले फरार तीन अन्य आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। चौथे आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही जेल ब्रेक प्रकरण के सभी बंदियों पर शिकंजा कस दिया गया है। जानकारी के अनुसार, फरार बंदियों की तलाश के लिए पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित की थीं। लगातार सर्चिंग और मुखबिरों की मदद से पुलिस को चंद्रशेखर राठिया के हाट्टी जंगल में छिपे होने की सूचना मिली। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को धर दबोचा। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक अभिवकांत सिंह, एएसआई अजय सिंह, आरक्षक सुजीत कुरी, अनिल साहू और हरीश मरावी की अहम भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार बंदियों को पकड़ने में टीम ने दिन-रात मेहनत की। जेल से बंदियों के फरार होने के बाद जिले में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे। हालांकि, पुलिस की त्वरित कार्रवाई और चारों बंदियों की गिरफ्तारी से अब सुरक्षा तंत्र को लेकर लोगों का भरोसा मजबूत हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की पूरी जांच जारी है और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया जाएगा।

बालको मेडिकल सेंटर ने कार्ट-टी सेल थेरेपी से कैंसर उपचार को दी नई दिशा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मध्य भारत में कैंसर उपचार के क्षेत्र में अग्रणी बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने अपने वार्षिक 'छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव' के तीसरे संस्करण से पहले कार्ट-टी सेल और थ्रेप्यूटिक अफेरेसिस पर एक विशिष्ट एवं उन्नत कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक हेमेटोलॉजिस्ट्स, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विशेषज्ञ, ब्लड ट्रांसफ्यूजन ऑफिसर्स, तकनीकी विशेषज्ञ और पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थी शामिल हुए।



कार्यक्रम डॉ. राजेश देशपांडे, सीनियर मैनेजर, मेडिकल अफेयर्स एवं क्लिनिकल एप्लीकेशन, फ्रेंसीनियस कावी मेडिकेट (एशिया पैसिफिक एवं इंटरनेशनल रीजन) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रमों को कार्ट-टी सेल अफेरेसिस, थ्रेप्यूटिक अफेरेसिस, हेमेटोपेटिक स्टेम सेल कलेक्शन और साइटोफेरेसिस की गहन जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

सत्र का उद्घाटन करते हुए वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन (बालको मेडिकल सेंटर) की चिकित्सा निदेशक डॉ. भावना सिरोही ने कहा कि

बीएमसी, कार्ट-टी जैसी आधुनिक सेल थेरेपी अपनाकर कैंसर इलाज को और बेहतर और युवा डॉक्टरों को सीखने का मौका दे रहा है। यह नवाचार कैंसर मरीजों के लिए आशा की किरण है। हमारा लक्ष्य है कि बीएमसी को सेल और जीन थेरेपी का प्रमुख केंद्र बनाया जाए, ताकि भारत में कैंसर उपचार को नई दिशा मिले।

कार्ट-टी सेल थेरेपी, एक उन्नत इम्यूनोथेरेपी है, जिसमें मरीज के रक्त से टी-सेल्स निकालकर उन्हें जेनेटिक रूप से इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वे कैंसर कोशिकाओं को पहचानकर उनसे लड़ सकें। इसका उपयोग जटिल कैंसर,

ऑटोइम्यून बीमारियों और रक्त संबंधी विकारों के उपचार में किया जाता है।

डॉ. नीलेश जैन ने कहा कि कार्ट-टी सेल थेरेपी कैंसर इलाज में एक नए युग की शुरुआत है। इसमें अफेरेसिस अहम प्रक्रिया है, जिसके जरिए शरीर की इम्यून कोशिकाओं को अलग कर विशेष तरीके से तैयार किया जाता है, ताकि वे मरीज को बिल्कुल सही और व्यक्तिगत इलाज दे सकें।

डॉ. दिव्येंद्र डे ने जोड़ा कि हेमेटो-ऑन्कोलॉजी तेजी से प्रगति कर रही है और यह कार्यशाला ज्ञान साझा करने और वैश्विक विशेषज्ञों से सीखने का एक अवसर है, जो भारत की

'डाइविंग कॉमन सेंस ऑन्कोलॉजी' है जिसमें गै स्टोइंट स्टेशनल, जेनिटोरियनरी और लिंग कैंसर के मल्टी-डिस्प्लिनरी मैनेजमेंट पर भी विशेष सत्र होंगे। इसमें 10 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और 200 राष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। कॉन्क्लेव में पहली बार कई विशेष वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी जिनमें लाइव सर्जिकल डेमोंस्ट्रेशन, मिनी-अकॉर्डिसर्व वर्कशॉप, एसबीआईटी कंट्रोलिंग ट्रेनिंग तथा जीवन की अंतिम अवस्था में मरीज और परिजनों से संवाद रिकल्प पर सत्र शामिल हैं। इसके साथ ही वीमेन फॉर ऑन्कोलॉजी नेटवर्क मीटिंग और कैंसर प्रिवेंशन वर्कशॉप भी आयोजित होगी। कॉन्क्लेव का रजिस्ट्रेशन अब शुरू हो चुका है। इच्छुक प्रतिभागी बालको मेडिकल सेंटर की आधिकारिक वेबसाइट www.balcomedicalcentre.com पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

खेत में काम कर रहे नवविवाहित दंपती पर गिरी आकाशीय बिजली पति की मौत, पत्नी गंभीर



कोरबा, 13 सितंबर। हरदी बाजार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उत्तरदा गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब खेत में काम कर रहे नवविवाहित दंपती पर आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में 24 वर्षीय प्रवीण

कुमार मरावी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी कीर्ति मरावी (22), जो कि पांच माह की गर्भवती हैं, गंभीर रूप से झूलस गईं। उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज, कोरबा में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्राप्त

जानकारी के अनुसार, हादसा दोपहर के समय हुआ जब दंपती खेत में काम कर रहे थे। आसमान में अचानक काले बादल छा गए और तेज बिजली कड़कने लगी। तभी जोरदार चमक और गर्जना के साथ बिजली सीधे उन पर गिर गई।

घायल पत्नी ने दी परिवार को सूचना

बिजली गिरने के बाद कीर्ति बेहोश हो गई थीं और लगभग एक घंटे तक वहीं पड़ी रहीं। होश में आने के बाद उन्होंने तत्काल अपने ससुर को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्रवीण को मृत घोषित कर दिया, जबकि कीर्ति की हालत नाजुक बनी हुई है।

मरुज आठ महीने पहले हुई थी शादी

बताया जा रहा है कि प्रवीण और कीर्ति की शादी को अभी सिर्फ आठ महीने ही हुए थे। इस हादसे ने न केवल परिवार को, बल्कि पूरे गांव को गहरे शोक में डाल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि हादसे के समय मौसम अचानक बिगड़ गया था और बिना किसी चेतावनी के तेज बिजली गिर गई।

प्रशासन की अपील

कोरबा के सीएसपी भूषण एक्का ने जानकारी दी कि जिला अस्पताल से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। साथ ही मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए गए हैं। प्रशासन और पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि बारिश और बिजली गिरने की स्थिति में खेतों या खुले स्थानों में काम करने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।

पूरे देश में मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव - कोरबा में भी होगा भव्य आयोजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में 17 सितम्बर 2025 को पूरे देश में मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव - रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 आयोजित किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय महाअभियान के तहत छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में भी तेरापंथ युवक परिषद, सकल जैन समाज एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं द्वारा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और राज्य स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से कई रक्तदान शिविर आयोजित होंगे। कोरबा में यह शिविर जैन मंदिर (पुराना बस स्टैंड), एम.जे.एम. हॉस्पिटल (नया बस स्टैंड), जैन मंदिर (बुद्धवारी) एवं एन.के.एच. हॉस्पिटल (कोसाबाड़ी) में लगाए जाएंगे। हजारों युवाओं एवं समाजसेवियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के आशीर्वाद तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से यह अभियान जीवन बचाने के उद्देश्य को साकार करेगा। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना और समाज में सेवा भाव को बढ़ावा देना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव

रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0

17 सितम्बर 2025

अधिकतम आदर्श रक्तदाता युवक परिषद कोरबा, जिला मुख्यालय एवं लाला जैन मंदिर, कोरबा (कोरबा जिला) के सहयोग से आयोजित होगा।

कैप ब्लड - 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा

कैप ब्लड - 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा

कैप ब्लड - 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा

कैप ब्लड - 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा 1000 से अधिक मिलेगा

शरीर के इन हिस्सों पर कभी न लगाएं परफ्यूम! जानें, कहां लगाना है सुरक्षित

परफ्यूम लगाना ज्यादातर लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा होता है। क्योंकि यह आत्मविश्वास, मूड और पर्सनल ब्रांडिंग को बेहतर बनाने में मदद करता है। कई लोग इसका रोजाना इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ लोग किसी खास कार्यक्रम या आफिस जाने से पहले फ्रेश महसूस करने के लिए परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि परफ्यूम का इस्तेमाल शरीर के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है? जी हाँ, शरीर के कुछ हिस्सों पर परफ्यूम लगाना खतरनाक होता है। खबर में जानिए किन अंगों पर परफ्यूम नहीं लगाना चाहिए...शरीर के कुछ हिस्सों पर

परफ्यूम लगाने से त्वचा, स्वास्थ्य और सुंदरता पर बुरा असर पड़ता है। खुशबू का भी इन हिस्सों पर गंभीर असर पड़ता है, जैसे कि... चेहरा कई लोग गलती से परफ्यूम को अपने मुँह या गले के पास स्पर्श करते हैं, जिससे परफ्यूम सीधे हवा में फैल जाता है। खुशबू में मौजूद अल्कोहल या अन्य रसायन मुँह की त्वचा में एलर्जी, रैशज या जलन पैदा कर सकते हैं और त्वचा के काले और रूखे भी हो सकते हैं। अंडरआर्म्स अंडरआर्म्स में आमतौर पर ज्यादा पसीना आता है, इसलिए कई लोग इस जगह पर थोड़ा ज्यादा परफ्यूम लगाते हैं।



हालांकि, परफ्यूम में मौजूद केमिकल पसीने और त्वचा के साथ मिलकर एलर्जी या जलन पैदा कर सकते हैं। इसलिए जरूरत पड़ने पर आप इस हिस्से में अल्कोहल-मुक्त डिओडोरेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। कटा या जला हुआ भाग अगर आपके शरीर पर कहीं भी कट, जलन या त्वचा संक्रमण है, तो उस जगह पर परफ्यूम न लगाएं। परफ्यूम में मौजूद रसायन उस जगह को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे दर्द, सूजन और त्वचा को गंभीर नुकसान हो सकता है। आँखों/कुछ लोग गर्दन के पास या कानों के पीछे परफ्यूम लगाते हैं। लेकिन वे भूल जाते हैं कि हवा या खुशबू

के छिंटे भी आँखों में जा सकते हैं। अगर परफ्यूम की कुछ बूँदें भी आँखों में चली जाएँ, तो जलन, पानी आना या धुंधला दिखाई देने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह आदत आगे चलकर खतरनाक हो सकती है। जलन/गर्दन के पास परफ्यूम छिड़कते हैं। हालांकि, इससे न केवल त्वचा को नुकसान पहुंचता है, बल्कि संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। इन अंगों की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है। इसलिए, ऐसे अंगों पर केवल डॉक्टर द्वारा सुझाए गए उत्पादों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। परफ्यूम लगाने की सही

जगह* अगर आप परफ्यूम को सही तरीके से लगाना चाहते हैं, तो इसे शरीर के स्पंदन बिंदु जैसे कलाई, कानों के पीछे, टखनों के सामने लगाएं। इन जगहों से शरीर की गर्मी निकलती है, जिससे खुशबू लंबे समय तक टिकती है और त्वचा को होने वाले नुकसान को कम करती है। ध्यान दें कि परफ्यूम आपको आत्मविश्वास तो दे सकता है, लेकिन गलत जगह पर लगाया गया परफ्यूम आपके स्वास्थ्य और त्वचा दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है। अगली बार जब आप परफ्यूम लगाएं, तो ऊपर बताई गई बातों पर ध्यान दें। परफ्यूम ताजगी आत्मविश्वास को बढ़ाता है,

लेकिन शरीर के गलत हिस्से पर लगाने पर यह नुकसानदायक भी हो सकता है। चेहरे, कनपटियों, कटने या जलने, आँखों और जननांगों जैसे संवेदनशील हिस्सों पर परफ्यूम लगाने से त्वचा में जलन, एलर्जी, संक्रमण, कुछ लोग गर्दन के पास या कानों के पीछे परफ्यूम लगाते हैं। लेकिन वे भूल जाते हैं कि हवा या खुशबू के छिंटे भी आँखों/मदद और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, हमेशा सलाह दी जाती है कि परफ्यूम को ध्यान से और केवल शरीर के कपन बिंदुओं जैसे कलाई, कानों के पीछे और टखनों के सामने ही लगाएं। सही तरीके से लगाने पर परफ्यूम लंबे समय तक टिक सकता है

तनाव को नियंत्रित करने में सहायक हैं ये पोषक तत्व, रोजाना करें इनका सेवन

तनाव एक आम समस्या है, जो आजकल हर किसी के जीवन का हिस्सा बन गई है। यह मानसिक और शारीरिक सेहत पर बुरा असर डाल सकता है। तनाव को कम करने के लिए सही खाना बहुत जरूरी है। कुछ खास पोषक तत्वों का सेवन आपके तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं कि किन पोषक तत्वों को अपने खाने में शामिल करने से आप तनाव को नियंत्रित कर सकते हैं। मैग्नीशियम का सेवन करें मैग्नीशियम एक ऐसा खनिज है, जो हमारे शरीर में कई जरूरी काम करता है। यह मांसपेशियों को आराम देने और नींद को बेहतर बनाने में मदद करता है। हरी पत्तेदार सब्जियाँ, नट्स, बीज और साबुत अनाज मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत हैं। रोजाना इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने से आप अपने तनाव को कम कर सकते हैं और मानसिक शांति पा सकते हैं। इसके अलावा मैग्नीशियम दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद है।ओमेगा-3 वसा का सेवन करेंओमेगा-3 वसा एक प्रकार का स्वस्थ वसा है,



जो हमारे दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह दिमाग की सूजन को कम करता है और मानसिक सेहत को बेहतर बनाता है। अलसी के बीज और चिया बीज ओमेगा-3 के अच्छे स्रोत हैं। इनके अलावा अखरोट और सोयाबीन में भी ओमेगा-3 पाया जाता है। इन खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन करने से आप अपने तनाव को कम कर सकते हैं। विटामिन-डी हमारे शरीर में हार्मोन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है, जिससे तनाव कम होता है। सूरज की रोशनी विटामिन-डी का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। इसलिए रोजाना थोड़ी देर धूप में बैठना फायदेमंद होता है। इसके

अलावा दूध जैसे खाद्य पदार्थों में भी थोड़ी मात्रा में विटामिन-डी पाया जाता है। इनका सेवन करके आप अपने शरीर को जरूरी विटामिन-डी दे सकते हैं। विटामिन-बी का सेवन करेंविटामिन-बी कई प्रकार के होते हैं, जिनमें से विटामिन-बी6 और विटामिन-बी12 सबसे ज्यादा जरूरी माने जाते हैं। ये विटामिन्स नसों को स्वस्थ रखते हुए तनाव को कम करते हैं। इन विटामिन्स की कमी से उदासी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विटामिन-बी12 विटामिन्स ऊर्जा बढ़ाते हुए थकान मिटाते हैं, जिससे मूड बेहतर होता है। इन विटामिन्स के लिए अंडे, दूध, दही, हरी पत्तेदार सब्जियाँ आदि

रोजाना मेडिटेशन लगाने की आदत कैसे डालें जानिए सरल तरीके

मेडिटेशन एक ऐसी प्रक्रिया है, जो मन और शरीर को शांत करने में मदद करती है। यह न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि शारीरिक सेहत के लिए भी फायदेमंद है। हालांकि, कई लोग मेडिटेशन करने की आदत नहीं डाल पाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप रोजाना मेडिटेशन करने की आदत डाल सकते हैं और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

समय तय करें मेडिटेशन करने के लिए सबसे पहले एक निश्चित समय तय करें। सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि इस समय मन शांत होता है और दिनभर की भागदौड़ से पहले की ताजगी कमी से उदासी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर सुबह का समय न मिल सके तो किसी भी समय, जब आप आराम से बैठ सकें, मेडिटेशन कर सकते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप रोजाना एक ही समय पर मेडिटेशन करें ताकि यह आपकी आदत बन जाए।



शांत जगह चुनें मेडिटेशन करने के लिए एक ऐसी जगह चुनें, जहां शांति हो और कोई व्यवधान न हो। यह जगह आपके घर का कोई कोना हो सकता है या बाहर का कोई पार्क भी हो सकता है। बस ध्यान रखें कि वहां का माहौल शांतिपूर्ण हो ताकि आप पूरी तरह से ध्यान

पर केंद्रित कर सकें। इसके अलावा उस जगह पर बैठने के लिए एक आरामदायक चटाई या गद्दे का उपयोग करें ताकि शरीर को कोई तकलीफ न हो। आरामदायक मुद्रा अपनाएंमेडिटेशन करने के लिए आरामदायक मुद्रा अपनाना बहुत जरूरी है। आप पद्मासन, सुखासन या बस

सीधे बैठकर भी मेडिटेशन कर सकते हैं। सबसे जरूरी है कि आपकी पीठ सीधी हो और आप आरामदायक स्थिति में हों ताकि शरीर में कोई तनाव न रहे। सही मुद्रा से ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है और मानसिक शांति भी बढ़ती है। अगर जमीन पर बैठना मुश्किल हो तो कुर्सी पर भी मेडिटेशन

किया जा सकता है। सांसों पर ध्यान दें मेडिटेशन करते समय अपनी सांसों पर ध्यान दें। गहरी सांस लें और धीरे-धीरे छोड़ें। इससे आपका मन शांत होगा और आप वर्तमान पल में रह पाएंगे। अगर मन कहीं और भटकता है तो उसे धीरे-धीरे वापस अपनी सांसों पर लाएं। यह प्रक्रिया आपके मन को स्थिर करने में मदद करेगी और मेडिटेशन लगाने में सरलता होगी। नियमित रूप से ऐसा करने से ध्यान की गहराई बढ़ेगी और मानसिक शांति भी मिलेगी। धीरे-धीरे शुरूआत करेंशुरुआत में 5-10 मिनट का मेडिटेशन करना बेहतर होगा, फिर धीरे-धीरे समय बढ़ाएं जैसे कि 15 मिनट, 20 मिनट आदि। इससे आपका शरीर और मन इस आदत के लिए तैयार हो जाएगा और मेडिटेशन करना आसान हो जाएगा। इस तरह आप इन सरल तरीकों को अपनाकर रोजाना मेडिटेशन करने की आदत डाल सकते हैं और अपने जीवन में मानसिक शांति और शारीरिक सेहत दोनों पा सकते हैं।

रोजाना एक खुबानी का सेवन करने से मिल सकते हैं

खुबानी एक ऐसा फल है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन्स, खनिज और एंटीआक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचा सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि रोजाना एक खुबानी खाने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं और इसे अपने रोजमर्रा के खाने में कैसे शामिल किया जा सकता है।

आंखों की रोशनी को रखती है बेहतर

खुबानी में विटामिन-ए और विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है, जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। ये विटामिन्स आंखों की रोशनी को बेहतर रखने में मदद करते हैं और उम्र बढ़ने पर होने वाली आंखों की समस्याओं से भी बचाव कर सकते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आपकी आंखों की सेहत बनी रहती है और आप साफ-साफ देख सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में है सहायक

खुबानी में मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम दिल के लिए बहुत जरूरी होते हैं। ये तत्व रक्तचाप को नियंत्रित रखते हैं और दिल की बीमारियों का खतरा कम करते हैं। इसके अलावा खुबानी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आप एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और अपने दिल को सुरक्षित रख सकते हैं।

पाचन क्रिया को सुधारने में है प्रभावी

खुबानी फाइबर का अच्छा स्रोत होती है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। फाइबर आंतों को साफ रखता है



और उनके काम को बेहतर बनाता है। इसके अलावा खुबानी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स आंतों की सूजन को कम करते हैं और उन्हें स्वस्थ रखते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आप पाचन संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में है कारगर खुबानी में मौजूद विटामिन-सी और अन्य पोषक तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। यह शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। खुबानी खाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है और आप स्वस्थ रहते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स शरीर की सफाई करते हैं और त्वचा को निखारते हैं। नियमित रूप से

खुबानी खाने से आप बीमारियों से बच सकते हैं। त्वचा की चमक को बढ़ाने में है मददगारखुबानी में मौजूद विटामिन-ए और विटामिन-सी त्वचा की चमक को बढ़ाने में मदद करते हैं। यह त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और उसे मुलायम बनाते हैं। इसके अलावा खुबानी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स त्वचा की सफाई करते हैं और उसे निखारते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आप स्वस्थ रहते हैं और आपकी त्वचा भी खिली-खिली रहती है। खुबानी खाने से त्वचा को पोषण मिलता है और वह मुलायम बनती है। खुबानी में विटामिन-ए और विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है, जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। ये विटामिन्स आंखों की रोशनी को बेहतर रखने में मदद करते हैं और उम्र

बढ़ने पर होने वाली आंखों की समस्याओं से भी बचाव कर सकते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आपकी आंखों की सेहत बनी रहती है और आप साफ-साफ देख सकते हैं। खुबानी में मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम दिल के लिए बहुत जरूरी होते हैं। ये तत्व रक्तचाप को नियंत्रित रखते हैं और दिल की बीमारियों का खतरा कम करते हैं। इसके अलावा खुबानी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। नियमित रूप से खुबानी खाने से आप एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और अपने दिल को सुरक्षित रख सकते हैं। खुबानी फाइबर का अच्छा स्रोत होती है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। फाइबर आंतों को साफ रखता है और उनके

बाडीकान ड्रेस खरीदने से पहले रखें इन बातों का ध्यान, होगा सही चयन

बाडीकान ड्रेस एक ऐसी पोशाक है, जो शरीर के आकार को गले लगाती है और इसे पहनने से आपको आत्मविश्वास महसूस होता है। हालांकि, सही बाडीकान ड्रेस चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ अहम टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप अपनी बाडीकान ड्रेस को सही तरीके से चुन सकती हैं और पहन सकती हैं। सही फिटिंग, रंग और कपड़े का चयन आपके लुक को और भी खास बना सकता है।

सही फिटिंग चुनें बाडीकान ड्रेस खरीदते समय सबसे जरूरी बात है उसकी फिटिंग। आपकी ड्रेस आपके शरीर के आकार के अनुसार होनी चाहिए ताकि वह आपको सही तरीके से गले लगाए। ध्यान रखें कि ड्रेस न बहुत ढीली हो और न ही बहुत टाइट। सही फिटिंग वाली ड्रेस पहनने पर आप सबसे अच्छी दिखेंगी और आपको आराम भी महसूस होगा। इसके अलावा सही फिटिंग वाली ड्रेस आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगी।

कपड़े का चयन करें बाडीकान ड्रेस के लिए कपड़े का चयन करते समय उसके कपड़े के प्रकार पर ध्यान दें। सूती कपड़ा गर्मियों के लिए अच्छा रहता है, जबकि ऊनी या मखमली कपड़ा सर्दियों में बेहतर होता है। इसके अलावा अगर आप पार्टी या खास अवसर के लिए बाडीकान ड्रेस चुन रही हैं तो हल्के और चमकदार कपड़े जैसे शिफान या जार्जेट का चयन करें। इस तरह आप हर मौसम और अवसर के लिए सही बाडीकान ड्रेस चुन सकती हैं।

रंगों का चयन करें बाडीकान ड्रेस के रंगों का चयन करते समय अपने त्वचा के रंग का ध्यान रखें। अगर



आपका रंग गोरा है तो गहरे रंग जैसे नीला, लाल या हरा आपके ऊपर अच्छे लगेंगे, वहीं अगर आपका रंग गेहुआ है तो हल्के रंग जैसे पेस्टल शेड्स आपके लिए बेहतरीन रहेंगे। इसके अलावा काले रंग की बाडीकान ड्रेस हर किसी पर अच्छी लगती है और इसे आप किसी भी मौके पर पहन सकती हैं।

एक्सेसरीज का मेल करें बाडीकान ड्रेस पहनने के बाद उसे पूरा करने के लिए सही एक्सेसरीज का चयन करना जरूरी है। अगर आपकी ड्रेस साधारण है तो आप उसमें कुछ खास एक्सेसरीज जैसे झुमके या चेन पहन सकती हैं, वहीं अगर आपकी ड्रेस पहले से ही बहुत आकर्षक है तो कम एक्सेसरीज का उपयोग करें ताकि आपका लुक ज्यादा बनावटी न लगे। इसके अलावा आप अपने फुटवियर्स और बैग का भी ध्यान रखें ताकि आपका पूरा लुक संतुलित रहे। कपड़े का चयन करें

बाडीकान ड्रेस के लिए कपड़े का चयन करते समय उसके कपड़े के प्रकार पर ध्यान दें। सूती कपड़ा गर्मियों के लिए अच्छा रहता है, जबकि ऊनी या मखमली कपड़ा सर्दियों में बेहतर होता है। इसके अलावा अगर आप पार्टी या खास अवसर के लिए बाडीकान ड्रेस चुन रही हैं तो हल्के और चमकदार कपड़े जैसे शिफान या जार्जेट का चयन करें। इस तरह आप हर मौसम और अवसर के लिए सही बाडीकान ड्रेस चुन सकती हैं। बाडीकान ड्रेस खरीदते समय सबसे जरूरी बात है उसकी फिटिंग। आपकी ड्रेस आपके शरीर के आकार के अनुसार होनी चाहिए ताकि वह आपको सही तरीके से गले लगाए। ध्यान रखें कि ड्रेस न बहुत ढीली हो और न ही बहुत टाइट।

जड़ वाली सब्जियों को साफ करने के लिए भाजमाएं ये तरीके

जड़ वाली सब्जियां जैसे आलू, गाजर, शलजम और मूली आदि कई व्यंजनों में इस्तेमाल होती हैं। हालांकि, अक्सर लोग इन्हें बिना अच्छे से साफ किए ही पकाने के लिए इस्तेमाल कर लेते हैं, जिससे इनका स्वाद प्रभावित हो सकता है। आज हम आपको जड़ वाली सब्जियों को साफ करने के लिए कुछ आसान और असरदार तरीके बताने जा रहे हैं, जिनका पालन करके आप इनका स्वाद और पोषण को बढ़ा सकते हैं। पानी का उपयोग करें जड़ वाली सब्जियों को साफ करने का सबसे सरल तरीका है कि उन्हें ठंडे पानी से अच्छी तरह धोएं। इसके लिए आप एक बड़े बर्तन में पानी भरकर उसमें सब्जियों को डालें और उन्हें कुछ मिनट छोड़ दें। इससे मिट्टी और अन्य गंदगी निकल जाएगी। इसके बाद आप एक साफ ब्रश या हाथों से हल्के से रगड़कर उन्हें पूरी तरह से साफ कर सकते हैं। यह तरीका आलू, गाजर, शलजम और मूली जैसी सब्जियों के लिए असरदार है। नमक का छिड़काव करें नमक का छिड़काव करने से जड़ वाली सब्जियों की सतह पर मौजूद कीटाणुओं को मारने में मदद मिलती है। इसके लिए आप एक कटोरे में थोड़ा नमक और पानी मिलाकर एक घोल तैयार करें और उसमें सब्जियों को कुछ मिनट के लिए डालें।



इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां सुरक्षित भी रहेंगी। इसके बाद आप ठंडे पानी से धोकर इन्हें इस्तेमाल कर सकते हैं। सिरका यानींबू का रस लगाएंसिरका या नींबू का रस लगाकर जड़ वाली सब्जियों को कुछ देर छोड़ देने से उनके स्वाद में निखार आता है और वे अधिक ताजगी महसूस कराती हैं। इसके लिए आप एक कटोरे में थोड़ा सिरका या नींबू का रस लेकर उसमें सब्जियों को कुछ मिनट के लिए डालें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां सुरक्षित भी रहेंगी। ब्रश का उपयोग करेंकुछ जड़ वाली सब्जियां जैसे आलू और

गाजर आदि पर मिट्टी अटक जाती है जिसे हटाने के लिए ब्रश का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए आप एक साफ ब्रश लेकर उसे हल्के हाथों से रगड़ें ताकि सारी मिट्टी निकल जाए। इस प्रक्रिया को ध्यानपूर्वक करें ताकि सब्जियां पूरी तरह से साफ हो जाएं। इसके बाद आप इनका इस्तेमाल किसी भी व्यंजन में कर सकते हैं। छिलका उतारेंअगर आपको लगता है कि सब्जियों पर बची हुई गंदगी हटाने में मुश्किल हो रही है तो आप उनका छिलका उतार सकते हैं। इसके लिए एक तेज चाकू लेकर धीरे-धीरे छिलका उतारें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां सुरक्षित भी रहेंगी।

ताजगी भी महसूस कराएंगी। इन तरीकों को अपनाकर आप आसानी से जड़ वाली सब्जियों को साफ कर सकते हैं और उनका स्वाद बढ़ा सकते हैं। नमक का छिड़काव करें जड़ वाली सब्जियों की सतह पर मौजूद कीटाणुओं को मारने में मदद मिलती है। इसके लिए आप एक कटोरे में थोड़ा नमक और पानी मिलाकर एक घोल तैयार करें और उसमें सब्जियों को कुछ मिनट के लिए डालें। इससे न केवल गंदगी निकल जाएगी बल्कि सब्जियां सुरक्षित भी रहेंगी। इन तरीकों को अपनाकर आप आसानी से जड़ वाली सब्जियों को साफ कर सकते हैं और उनका स्वाद बढ़ा सकते हैं।

कई बार ऑयली, तीखा या ज्यादा गरम खाने से सीने में जलन होने लगती है। कुछ लोगों को कम पानी पीने से भी जलन होने लगती है। ऐसे में छाती की जलन को कम करने और सीने में ठंडक पहुंचाने के लिए आप ये उपाय कर सकते हैं। सीने में जलन होने पर सॉफ चबाकर खा लें या फिर पिसी हुई सॉफ को पानी में मिक्स करके पानी के साथ पी लें। सॉफ को 1 गिलास पानी में उबालकर पानी को ठंडा करके छानकर भी पी सकते हैं। इससे जलन में तुरंत आराम पड़ जाएगा। सीने में होने वाली जलन को शांत करने के लिए आप पुदीने का रस पी लें। आप चाहें तो ताजा पुदीना की पत्तियों को चबाकर खा सकते हैं। पुदीना में पाए जाने वाले कूलिंग एजेंट जलन को शांत करते हैं और पेट में ठंडक पहुंचाते हैं। पेट में या सीने में जलन हो रही है तो आधा कप ठंडा दूध लें और इसमें आधा कप ठंडा पानी मिला लें। इसे धीरे-धीरे सिप करते पीएं। इससे पेट में बह रहा एसिड कम होगा और सीने में जलन भी कम होने लगेगी। दही खाने से भी पेट को ठंडक मिलती है। आप दही की बजाय छाछ बनाकर पीएंगे तो इससे और भी जल्दी आराम मिलेगा। छाछ में काला नमक, भुना जीरा और पुदीने के पत्ते पीसकर मिला लें। इससे जलन दूर होगी। आप चाहें तो केला भी खा सकते हैं। ये सीने के

सीने में जलन होने पर श्व या उपाय करने चाहिए, जिससे तुरंत आराम मिल जाए



जलन को कम करता है।सीने में जलन होने पर सॉफ चबाकर खा लें या फिर पिसी हुई सॉफ को पानी में मिक्स करके पानी के साथ पी लें। सॉफ को 1 गिलास पानी में उबालकर पानी को ठंडा करके छानकर भी पी सकते हैं। इससे जलन में तुरंत आराम पड़ जाएगा। सीने में होने वाली जलन को शांत करने के लिए आप पुदीने का रस पी लें। आप चाहें तो ताजा पुदीना की पत्तियों को चबाकर खा सकते हैं। पुदीना में पाए जाने वाले कूलिंग एजेंट जलन को शांत करते हैं और पेट में ठंडक पहुंचाते हैं।

पेट में या सीने में जलन हो रही है तो आधा कप ठंडा दूध लें और इसमें आधा कप ठंडा पानी मिला लें। इसे धीरे-धीरे सिप करते पीएं। इससे पेट में बह रहा एसिड कम होगा और सीने में जलन भी कम होने लगेगी। दही खाने से भी पेट को ठंडक मिलती है। आप दही की बजाय छाछ बनाकर पीएंगे तो इससे और भी जल्दी आराम मिलेगा। छाछ में काला नमक, भुना जीरा और पुदीने के पत्ते पीसकर मिला लें। इससे जलन दूर होगी। आप चाहें तो केला भी खा सकते हैं। ये सीने के

योग करते समय बेहतरीन दिखने के लिए आजमाएं ये स्टाइलिश हेयरस्टाइल

योग न केवल शरीर के लिए बल्कि मन के लिए भी फायदेमंद है। जब आप योग करते हैं तो आपके बालों का स्टाइल भी अहम होता है। सही हेयरस्टाइल न केवल आपके आरामदायक महसूस कराता है, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाता है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे हेयरस्टाइल्स के बारे में बताते हैं, जो योग करते समय आपके लुक को और भी ज्यादा खास बना सकते हैं और आपको स्टाइलिश दिखाएंगे। क्लासिक हाई बन क्लासिक हाई बन एक ऐसा हेयरस्टाइल है, जो आपके बालों को पूरी तरह से बांध देता है और आपको आरामदायक महसूस कराता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले अपने बालों को ऊपर की ओर खींचें और एक पोनीटेल बनाएं, फिर उसे गोल-गोल घुमाते हुए बन बनाएं और हेयरपिन से फिक्स कर लें। यह स्टाइल न केवल आपके बालों को व्यवस्थित रखता है, बल्कि आपको एक साफ-सुथरा लुक भी देता है। ब्रेडेड पोनीटेल ब्रेडेड पोनीटेल एक प्यारा और स्टाइलिश हेयरस्टाइल है, जो आपके बालों को सुरक्षित रखते हुए आपको एक खास लुक देता है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों को एक पोनीटेल बनाकर बांध लें, फिर उसमें छोटी-छोटी चोटी बनाकर बांध लें। यह स्टाइल आपके बालों को खुला नहीं छोड़ता, जिससे वे न उलझते हैं और न ही किसी तरह की परेशानी होती है। इसके अलावा यह आपके लुक को भी खास बनाता है। लो दिवस्टेड बनलो दिवस्टेड बन एक सरल

लेकिन आकर्षक हेयरस्टाइल है, जो आपके बालों को नीचे की ओर मोड़कर बनाया जाता है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों को पीछे की ओर खींचकर नीचे की ओर मोड़ें, फिर इसे बांध लें। इसके बाद बालों को हल्का-सा मोड़ते हुए ऊपर की ओर घुमाकर बन बनाएं और हेयरपिन से फिक्स कर लें। यह स्टाइल आपके बालों को व्यवस्थित रखता है और आपको एक साफ-सुथरा लुक भी देता है। हाफ-अप टॉप नॉट हाफ-अप टॉप नॉट एक ऐसा हेयरस्टाइल है, जिसमें आपके बालों का आधा हिस्सा ऊपर की ओर बांधा जाता है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों का आधा हिस्सा लेकर उसे ऊपर की ओर बांध लें, फिर उसे हल्का-सा घुमाकर टॉप नॉट बना लें। यह स्टाइल आपके चेहरे को खुला रखता है, जिससे आपको ताजगी महसूस होती है। इसके अलावा यह हेयरस्टाइल आपके लुक को भी खास बनाता है और आपको स्टाइलिश दिखाता है। डबल फेंच ब्रेड्स डबल फेंच ब्रेड्स एक प्यारी और आरामदायक हेयरस्टाइल है, जिसमें आपके दोनों तरफ फेंच ब्रेड्स बनाकर बांधी जाती हैं। इसके लिए सबसे पहले दोनों तरफ अलग-अलग हिस्से लेकर फेंच ब्रेड्स बनाएं, फिर इन्हें हल्का-सा खोला हुआ छोड़ दें ताकि आपका लुक खास लगे। ये हेयरस्टाइल न केवल आरामदायक होता है बल्कि आपको एक अलग पहचान भी देता है।

मंगोस्टीन को कहते हैं फलों की रानी, इससे बनने वाले ये पकवान सभी को आएंगे पसंद

फलों की रानी कहलाया जाने वाला फल मंगोस्टीन अपनी मिठास से सबका पसंदीदा बन जाता है। इसका स्वाद मीठा होता है और लीची व आम जैसे कई फलों का मिश्रण लगता है। अगर आप इस फल को डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो आपको स्वस्थ त्वचा समेत कई फायदे मिल सकते हैं। वैसे तो इस फल को ऐसे ही खाना सबसे बढ़िया रहता है। हालांकि, अगर इससे ये 5 लजीज पकवान भी बना सकते हैं, जिनकी रेसिपी आसान होती है।मैंगोस्टीन की स्मूदीमैंगोस्टीन को स्मूदी बनाने के लिए आपको 3 पके हुए मैंगोस्टीन, एक केला, एक कप नारियल का दूध, एक चम्मच शहद और घिसा हुआ नारियल चाहिए होगा। सबसे पहले मैंगोस्टीन को छीलकर उसका फल निकाल लें और बीजों को फेंक दें। अब एक ब्लेंडर में फल को डालें और उसमें केला, नारियल का दूध, शहद और घिसा हुआ नारियल भी शामिल कर दें। इन सभी सामग्रियों को ब्लेंड करें और गिलास में निकालकर घिस नारियल



छिड़ककर परोसें।मैंगोस्टीन का पन्ना कोटा।मैंगोस्टीन का पन्ना कोटा बनाने के लिए सबसे पहले जेलेटिन को पानी में भिगोएं। इसके बाद दूध उबालकर उसमें जेलेटिन डालें और अच्छी तरह घुल जाने दें। इसे एक कटोरे में निकालें और उसमें मैंगोस्टीन का पल्प, दही और पिसी चीनी मिला दें। इसमें नींबू का रस मिलाएं और उसके छिलके को कढ़कस करके भी डाल दें। इसे गिलास में डालकर फ्रिज में जमने के लिए रख दें। ऊपर से आम का जूस डालकर उसे दोबारा जमा लें और परोसें।मैंगोस्टीन की चायमैंगोस्टीन का फल तो स्वादिष्ट होता ही है, साथ ही उसके

छिलके में भी बहुत पोषण होता है। आप छिलकों को फेंकने के बजाय उनकी मदद से हर्बल चाय बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले मैंगोस्टीन का छिलका उतार लें और उसके अंदर का मोटा भाग प्लेट में निकालें। अब इस भाग को धूप में सुखा लें और डिब्बे में भरकर रख लें। जब भी मन को छिलकों को पानी में उबालकर चाय बना लें।मैंगोस्टीन की आइसक्रीम मैंगोस्टीन की आइसक्रीम तैयार करने के लिए सबसे पहले इस फल को चम्मच की मदद से मीस लें। ऐसा करने से उसका रस बन जाएगा। इसके बाद एक कटोरे में क्लिपिंग क्रीम लेकर

फेंटें। जब यह क्रीम मलाईदार हो जाए तब उसमें मैंगोस्टीन का रस, बारीक कटे खजूर और गाढ़ा नारियल का दूध मिला दें। इसे एक ढक्कन वाले बर्तन में डालें और फ्रीजर में कम से कम 4 घंटे जमने दें।मैंगोस्टीन खाने से आपको ये लाभ मिलेंगे। मैंगोस्टीन के फ्रैप फ्रैप एक पतला फेंच पैनकेक होता है, जिसे फलों और चॉकलेट सिरप आदि के साथ खाया जाता है। इसे बनाने के लिए एक मिक्सी में मैदा, आटा, नमक, पिसी चीनी, दूध और पानी को पीसें। इसे छत्री की मदद से छानते हुए एक बड़े कटोरे में निकाल लें। इसके बाद इसमें मैंगोस्टीन का जूस डालकर मिला दें। अब तवे पर मक्खन लगाएं और पतला बैटर फैलाकर दोनों तरफ से पका लें। इसे मैंगोस्टीन के साथ ही परोसें।मैंगोस्टीन की स्मूदी बनाने के लिए आपको 3 पके हुए मैंगोस्टीन, एक केला, एक कप नारियल का दूध, एक चम्मच शहद और घिसा हुआ नारियल चाहिए होगा। सबसे पहले मैंगोस्टीन को छीलकर

उसका फल निकाल लें और बीजों को फेंक दें। अब एक ब्लेंडर में फल को डालें और उसमें केला, नारियल का दूध, शहद और घिसा हुआ नारियल भी शामिल कर दें। इन सभी सामग्रियों को ब्लेंड करें और गिलास में निकालकर घिस नारियल छिड़ककर परोसें। मैंगोस्टीन का पन्ना कोटा मैंगोस्टीन का पन्ना कोटा बनाने के लिए सबसे पहले जेलेटिन को पानी में भिगोएं। इसके बाद दूध उबालकर उसमें जेलेटिन डालें और अच्छी तरह घुल जाने दें। इसे एक कटोरे में निकालें और उसमें मैंगोस्टीन का पल्प, दही और पिसी चीनी मिला दें। इसमें नींबू का रस मिलाएं और उसके छिलके को कढ़कस करके भी डाल दें। इसे गिलास में डालकर फ्रिज में जमने के लिए रख दें। ऊपर से आम का जूस डालकर उसे दोबारा जमा लें और परोसें।मैंगोस्टीन की चायमैंगोस्टीन का फल तो स्वादिष्ट होता ही है, साथ ही उसके छिलके में भी बहुत पोषण होता है। आप छिलकों को फेंकने के बजाय उनकी मदद से हर्बल चाय बना

खिड़कियों को चमकाने के लिए अपनाएं ये आसान और प्रभावी तरीके

खिड़कियां घर की सुंदरता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। अगर खिड़कियों की सफाई सही तरीके से की जाए तो घर का माहौल भी बदल जाता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी खिड़कियों को बिना किसी मेहनत के चमका सकते हैं। इन तरीकों से न केवल आपकी खिड़कियां साफ रहेंगी बल्कि उनमें नई जान भी आएगी। इन नुस्खों को आजमाकर आप अपने घर को और भी आकर्षक बना सकते हैं। सिरके और पानी का मिश्रण सिरका और पानी का मिश्रण खिड़कियों की सफाई के लिए बहुत ही असरदार होता है। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में सिरका और पानी मिलाकर तैयार करें। अब इस मिश्रण को खिड़की पर छिड़कें और कुछ मिनट बाद इसे सूती कपड़े से पोंछ दें। इससे खिड़की पर जमी हुई गंदगी आसानी से निकल जाएगी और वह चमकने



लगेगी। यह तरीका न केवल सरता है बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है। नींबू का रस नींबू का रस भी खिड़कियों की सफाई के लिए बहुत उपयोगी होता है। इसमें प्राकृतिक रूप से साफ करने के गुण होते हैं, जो गंदगी को हटाने में मदद करते हैं। एक बाल्टी गर्म पानी में कुछ चम्मच नींबू का रस मिलाएं और फिर इस घोल से खिड़कियों को धोएं। इसके बाद साफ पानी से धोकर सूती कपड़े से पोंछ दें। इससे खिड़कियां न केवल साफ होंगी बल्कि उनमें एक ताजगी भरी महक भी

आएगी। बेकिंग सोडा बेकिंग सोडा एक ऐसा घटक है, जो कई कार्यों में आता है। खिड़कियों की सफाई में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक चम्मच बेकिंग सोडा को आधे कप पानी में मिलाकर घोल तैयार करें और इसे स्प्रे बोतल में भर लें। अब इस घोल को खिड़की पर छिड़कें और नरम ब्रश से रगड़ें। इससे सारी गंदगी निकल जाएगी और खिड़कियां चमक उठेंगी। यह तरीका सरता होने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल भी है। माइक्रोफाइबर कपड़ा माइक्रोफाइबर कपड़े का उपयोग करके भी खिड़कियों को आसानी से साफ किया जा सकता है। यह कपड़ा बहुत ही मुलायम होता है, जो गंदगी को बिना किसी नुकसान पहुंचाए हटाता है। इसके लिए पहले खिड़की पर हल्का पानी छिड़कें, फिर माइक्रोफाइबर कपड़े को हल्के हाथों से रगड़ें। इससे सारी गंदगी निकल

अखबार का उपयोग करें अखबार का उपयोग करके भी खिड़कियों को साफ किया जा सकता है। अखबार में स्याही होती है, जो खिड़कियों पर लगी धूल-मिट्टी को अच्छे से सोख लेती है। इसके लिए पहले खिड़की पर हल्का पानी छिड़कें, फिर अखबार को अच्छे से रगड़ते हुए पूरे हिस्से पर लगाएं। इससे खिड़की पूरी तरह साफ हो जाएगी और उसमें एक नई चमक आएगी। यह तरीका सरता होने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल भी है। माइक्रोफाइबर कपड़ा माइक्रोफाइबर कपड़े का उपयोग करके भी खिड़कियों को आसानी से साफ किया जा सकता है। यह कपड़ा बहुत ही मुलायम होता है, जो गंदगी को बिना किसी नुकसान पहुंचाए हटाता है। इसके लिए पहले खिड़की पर हल्का पानी छिड़कें, फिर माइक्रोफाइबर कपड़े को हल्के हाथों से रगड़ें। इससे सारी गंदगी निकल

आपके बच्चे का भी पढ़ाई में नहीं लगता मन ये काम करने से बदलेगी आदत

आजकल के ज्यादातर बच्चे पढ़ाई से जी चुराते हैं, जिसका सबसे बड़ा कारण है एकाग्रता की कमी। वे घंटों किताबें लिए बैठे तो रहते हैं, लेकिन उनका ध्यान पढ़ाई के बजाय अन्य चीजों में ही लगा रहता है। ज्यादातर बच्चे पढ़ते समय खेल-कूद, खाने, टीवी देखने या मोबाइल चलाने के बारे में सोचते रहते हैं। अगर आपके बच्चे का भी पढ़ाई में मन नहीं लगता तो बच्चों की देखभाल से जुड़े ये 5 टिप्स उसकी आदत को बदल सकते हैं। पढ़ाई करने का समय निर्धारित करें बच्चों के लिए एक व्यवस्थित टाइम टेबल बनाना जरूरी होता है, ताकि उन्हें पता हो कि उन्हें कब क्या करना है। अगर आप रोज उन्हें अलग-अलग समय पर पढ़ने बैठायेंगे तो उनके लिए ध्यान लगा पाना मुश्किल हो जाएगा। इसके बजाय पढ़ने का समय निर्धारित करें, ताकि आपका बच्चा ध्यान लगाकर पढ़ाई कर सके। इसके लिए शाम का समय सबसे अच्छा रहता है। जब आप रोजाना उसे 1-2 घंटे पढ़ायेंगे तो जल्द ही वह उसकी आदत बन जाएगी। ध्यान भटकाने वाली चीजों को बच्चे से दूर रखें मोबाइल जैसे उपकरण इन दिनों बच्चों का ध्यान भटकाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आपको इन्हें बच्चों से केवल पढ़ते समय ही नहीं, बल्कि हमेशा छिपाकर रखना चाहिए। इसके अलावा पढ़ाई के समय बच्चों के सामने बातें करने, खुद मोबाइल चलाने या टीवी देखने से बचें। इन चीजों से उनका ध्यान भटक सकता है, जिसके परिणामस्वरूप वे पढ़ाई नहीं कर पाएंगे। पढ़ाते समय उनके आसपास खिलौने आदि भी न रखें, क्योंकि वे भी एकाग्रता कम कर सकते हैं। पढ़ाई को मजेदार बनाएं बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने का सबसे अच्छा तरीका है पढ़ाई की ही मजेदार बना देना। इसके लिए आप उन्हें खेल की तरह पढ़ा सकते हैं, जिसके दौरान क्विज आदि शामिल हों। उन्हें कहानियों की तरह पाठ पढ़ाएं, रचनात्मक गतिविधियां शामिल करें और पढ़ाई से संबंधित वीडियो दिखाएं। आप उनका दिमाग



तेज करने के लिए उन्हें ऐसी जगहों पर ले जा सकते हैं, जहां उन्हें कुछ सीखने को मिले। उन्हें चिड़ियाघर, साइंस सेंटर या संग्रहालय ले जाएं। रोजाना छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें बच्चों को जब एक साथ कई चीजें याद करने को कहा जाता है तो वे परेशान हो कर कुछ भी नहीं याद कर पाते हैं। इससे बेहतर होगा कि आप रोजाना थोड़ा-थोड़ा करके उन्हें पाठ याद करवाएं। हर दिन छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें, जैसे कि एक पाठ पढ़ना, 10 सवाल हल करना या 20 नए शब्द याद करना आदि। इन लक्ष्यों को पूरा करने का समय भी निर्धारित करें, ताकि बच्चे की एकाग्रता बढ़े और वह अनुशासित रहे। पढ़ने के बाद इनाम दें अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा बिना डाटे पढ़ाई करे तो उसके प्रयासों को सराहना शुरू करें। जब भी वह पढ़ाई से जुड़ा कोई भी लक्ष्य पूरा करे तो उसकी तारीफ करें। ऐसा करने से उसे बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी, उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह और ज्यादा मेहनत करने लगेगा। जब उसके अंक सुधरने लगे और वह खुद से मन लगाकर पढ़ने लगे



डॉ. संजय दानी,दुर्ग

राम गुलाम 12वीं पास करके थल सेना में सैनिक के रुप में जाने का मन बनाकर अपना आवेदन भी थल सेना के द्वारा जारी एक विरयापन के माद्धयम से ज़मा कर चुका था । उनके बूढ़े पिता उमेद राम जी महादेव घाट के पास रहते थे और वे एफ़ सी आई में हमाली का काम करके अपना घर चलाते थे । उमेद जी के महादेव वाले घर में कुल जमा तीन लोग ही रहते थे । उमेद , रामगुलाम और रामगुलाम की पत्नी पार्वती जी । महादेव घाट के पास उमेद जी की आधा एकड़ खेती की ज़मीन थी । जिसकी आज की तारीख़ में कामत लगभग 2 करोड़ रुपिए से कम नहीं थी । लेकिन वह ज़मीन सेठ रतन चंद के पास 50000 रुपिए में उमेद जी ने 10 वर्ष पूर्व तब गिरवी रखी थी । जिसे वे आज तक चुकाकर ज़मीन सेठ से छुड़ा नहीं पाये थे । कुछ दिनों बाद प्रक्रिया के तहत रामगुलाम का चयन सिपाही के रुप में थल सेना में हो गया । थल सेना में जवाइनिंग पूर्व रामगुलाम की शादी भी हो गई।

उसके बाद रामगुलाम की पोस्टिंग जबलपुर हो गई अतः वह जबलपुर को रवाना हो गया।

। रामगुलाम लगभग 2 बरस अपने बटालियन के साथ रायपुर से बाहर रहा । इसके बाद उसे जब 3 महीनों की छुट्टी मिली तो वह रायपुर जाने की तैयारी करने लगा । इस बीच उसके पास लगभग 40000 रुपिए ज़मा हो गये थे ।

मई के मध्य की एक तारीख़ में वह रायपुर पहुँचा और फिर रेल्वे स्टेशन से आटो लेकर अपने घर महादेव घाट की ओर रवाना हुआ । पर की माली हालात अब रामगुलाम के आर्थिक सहयोग के कारण

ही पहले से ठीक दिखने लगी थी । अगले दिन ही रामगुलाम सेठ रतन चंद के पास बैठा था । और उनसे कह रहा था कि आपके द्वारा दिये गये उधारी पैसा पर कितना ब्याज हुआ है । सारा कुछ हिसाब करके अपना पैसा वापस ले लो और हमारी ज़मीन के कागज़ात और हमारी ज़मीन हमें लौटा दो । जवाब में सेठ रतन चंद ने कहा कि उधारी दिए गये पैसा ब्याज सहित आज की तारीख़ में 5 लाख रुपिए से उपर का हो गया है । तुम लोगों की हैसियत नहीं है कि उतनी रकम मुझे लौटा सको । हां हो सके तो एक लाख रुपिए मुझसे और ले लो और ज़मीन के बारे में सोचना छोड़ दो । तब राम गुलाम ने कहा कि आप मूलधन सहित इतने समय का ब्याज सारा कुछ लिखकर मुझे दे दो । जवाब में सेठ ने कहा कि हमारा काम जुबान के भरोसे ही ठीक चलता है । लिखा पड़ना हमारे लिए गौण होता है । तुम या तो पांच लाख पचास हजार रुपिए जमा करके अपनी ज़मीन वापस ले लो या मुझसे एक लाख रुपिए लेकर अपनी ज़मीन छोड़ दो । तब राम गुलाम ने कहा कि सेठ जी यह भी सोच लीजिए कि मैं फ़ौज़ी हूँ । अगर कुछ अन्याय करने की कोशिश की तो अन्जाम भुगतने के लिए भी तैयार रहियेगा । सेठ रतन चंद रामगुलाम की बातें सुनकर एक क्षण झिझक गया और फिर अपने नौकरों को बुलाकर कहा कि इस आदमी को यहां से भगाओ और इसे कहो कि अगर आगे बात करनी है तो अपने बाप उमेद को भेजे । इसे मेरी डेहरी मत लांघने देना ।

अगले दिन रामगुलाम रायपुर शहर के एक नामी वक़ील माथुर जी से मिला और अपना केस समझाते हुए न्याय दिलाने की गुज़ारिश किया ।

कहानी : जैसे को तैसा

तब माथुर जी ने कहा कि केस तो हम जीतेंगे ही ।तुम सेठ की देनदारी व मेरी फीस के एवज में 5 लाख रुपियों का इंतजाम करके रख लो ।

कुछ दिनों बाद जब रतन चंद जी को पता चला कि रामगुलाम ने माथुर साहब को अपना वक़ील नियुक्त किया है तो उसे बहुत खुशी हुई क्योंकि माथुर साहब से उनका गहरा रिश्ता था ।

इधर रामगुलाम की छुट्टियां खत्म होने के दिन पास आ गये थे । रामगुलाम ने अपने पिता से एक पावर आफ़ एटार्नी ले लिया था कि अब उनकी महादेव घाट पर स्थित एक एकड़ ज़मीन संबंधित जितनी भी कानूनी व सरकारी प्रक्रियाएँ करनी पड़ेगी तो इन कामों को करने का अधिकार उमेद जी रामगुलाम को प्रदत्त करते हैं । इस पावर आफ़ एटार्नी को रजिस्टर्ड भी करवा लिया गया था । आज से उस ज़मीन संबंधित किसी भी कागज़ पर सिर्फ़ रामगुलाम का ही दस्तख़त चलेगा ।

उसके बाद रामगुलाम अपने परिवार को लेकर पोस्टिंग प्लेस कश्मीर चला गया । उधर परिवार के कश्मीर जाने के पूर्व एक दिन सेठ रतन चंद ने किसी बहाने उमेद को घर बुलाकर रतन चंद ने उनको बातों में उलझाते हुए कुछ कागज़ों पर उनके हस्ताक्षर हासिल कर लिए ।

इस बात को बीते कुछ महीने गुज़ार गये थे । रामगुलाम का समस्त परिवार उसके साथ ही 6 महीनों से काश्मीर में था । वहीं एक दिन हृदय घात से उमेद की मृत्यु हो गई। उसके बाद रामगुलाम अपने माता , पत्नी और बेटे को लेकर रायपुर आ गया ।

रायपुर से वापस अपने पोस्टिंग प्लेस में जाने से पूर्व वह माथुर वक़ील से मिला तो वक़ील साहब ने बताया कि आपका केस न्यायालय में दायर किया जा चुका है ।

सिविल कोर्ट में उनका केस चलता रहा । पर केस की जब भी तारीख़ तय होती रामगुलाम का वक़ील माथुर साहब कोर्ट जाते ही नहीं थे । अंत में केस एक्स पार्टी होने से सेठ रतन चंद के पक्ष में चला गया ।

इस आदेश की जब कापी रामगुलाम को मिली तो उसने अपने पिता के द्वारा लिखी पावर आफ़ एटार्नी को माथुर वक़ील कोर्ट के आगे प्रस्तुत करने दिया और कहा कि सेठ रतन चंद ने जो स्टॉप पेपर दिखाये हैं । वह पूरी तरह से फ़र्ज़ी हैं । क्योंकि मेरे पिताजी की दख़त के नीचे जो तारीख़ डाली गई है उस समय मेरे पिता उमेद जी मेरे साथ कश्मीर में थे । इस बात की तस्दीक हर तरीके से की जा सकती है । लेकिन माथुर वक़ील ने उन कागज़ात का क्या किया पता नहीं चला । रामगुलाम के पक्ष में विभिन्न कागज़ात रहने के बाद भी केस का निर्णय सेठ रतन चंद के पक्ष में चला गया । इस तरह बहुत समय बीत गया था । अब रामगुलाम की पोस्टिंग दुर्ग मालखाने में हो गया । दुर्ग के मालखाने में चौबीसों घंटे 2 सैनिक पारी पारी से तैनात रहते थे । दुर्ग में तैनाती के कुछ दिनों बाद ही रामगुलाम को पता चला कि वह केस हार गया है । रामगुलाम को महसूस हो चुका था कि इस हार में मुख्य भूमिका माथुर वक़ील की ही थी । साथ ही न्यायाधीश भी शायद उनसे मिला हुआ था। यह जान कर रामगुलाम का खून खौलने लगा और वह कुछ विशेष करने के बारे में प्लान करने लगा ।

सबसे उसने दिल्ली चोर मार्केट से एक अच्छी पिस्टल का जुगाड़ किया ।और वक्र्त के इंतज़ार में लगा रहा । जुलाई की एक रात दुर्ग रायपुर में अच्छी खासी बारिश हो रही थी । उस दिन रामगुलाम की दुर्ग मालखाने में रात्रि पाली की ड्यूटी थी । वह पौने आठ बजे दुर्ग मालखाने में पहुंच गया । वे दो लोग ड्यूटि पे तैनात थे । सामान्यतः दोनों में से एक रात्रि 10से 2बजे तक सोता था और दूसरा सजग रहता था फिर 2 बजे के बाद दूसरा सिपाही सोता था पहले वाला जाग कर ड्यूटि करता था । उस रात रामगुलाम ने रात्रि 2 बजे के बाद जागने वाली ड्यूटि करने का फ़ैसला किया था । रामगुलाम रात्रि 9 बजे ही सो गया और उसका दूसरा साथी बाबूलाल 2 बजे तक जागता रहा । लगभग देड़ बजे रामगुलाम सोकर उठा तो देखता है कि बाबूलाल बैठे बैठे झपकी मार रहा है तो उसे ठीक से सोने के लिए कह कर खुद ड्यूटि पर तैनात हो गया । उधर बाबूलाल तुरंत ही गहरी नींद की आगोश में चला गया । तब प्लान के अनुसार रामगुलाम अपने मोबाइल को वहीं कुर्सी पर छोड़कर , भीगते बारिश में अपनी मोटर सायकिल के सहारे रायपुर की ओर रवाना हो गया । और अपने प्लान के अनुसार रायपुर में सेठ रतन चंद , वक़ील माथुर को मौत के घाट उतारकर सुबह 5 बजे तक वापस दुर्ग मालखाने में आकर ड्यूटि करने लगा । जज गुप्ता से बदला लेने की बात को वह कुछ सोचकर टाल दिया ।

उधर सुबह 8 बजे जैसे ही यह बात लोगों के सज़ान में आई कि रायपुर शहर में दो लोगों का क़त्ल हो गया है तो वहां के प्रशासनों में हड़कंप मच गया । कड़ियों को जोड़ने से पोलिस अधिकारियों की नज़र रामगुलाम पर जा कर टिक गई । पता साज़ी की गई तो पता चला कि वह तो रात भर दुर्ग के मालखाने में अपने साथी बाबूलाल के साथ ड्यूटि पर था । बाबूलाल उसका गवाह था । फिर रामगुलाम के मोबाइल की काल डिटल ली गई तो उसमें से भी कुछ संदेहास्पद चीज़ें हासिल नहीं हुई । इस तरह साल गुज़र गया पर पोलिस

आधार नागरिकता नहीं सिर्फ पहचान

विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर बिहार में मतदाताओं को कई तरह के दस्तावेज जुटाने की आफत में में डाल रहे निर्वाचन आयोग को उच्चतम न्यायालय ने सख्त संदेश दे दिया है।

इस बात से मतदाताओं को तो राहत मिलेगी साथ ही विपक्षी दलों के नेताओं की उन आशंकाओं पर भी कुछ विराम लगेगा जिससे उनमें बड़े पैमाने पर वोट काटे जाने की चिंता पैदा हो गई है। विपक्ष की आशंकाओं को आधार की निर्धारित दस्तावेजों की सूची में न रखने से बढ़ गई थी। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग को स्पष्ट निर्देश दिया कि वह चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए ‘आधार’ को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करे। अभी तक एसआईआर के लिए 11 दस्तावेज निर्धारित हैं जिन्हें मतदाताओं को अपने प्रपत्रों के साथ जमा करना है। यहाँ अदालत ने साफ कर दिया कि आधार को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जाएगा इसे सिर्फ पहचान के लिए स्वीकार किया जाए। आयोग को यह अधिकार दिया गया है कि मतदाता द्वारा प्रस्तुत आधार कार्ड की संख्या की वास्तविकता का पता लगा सकता है। अदालत के अनुसार यह साफ होना चाहिए कि केवल वास्तविक नागरिकों को ही मतदान करने की अनुमति हो। जाली दस्तावेज वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए।आयोग की दलील थी कि मसौदा मतदाता सूची में शामिल 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.6 प्रतिशत ने दस्तावेज जमा कर दिए हैं और अब ‘आधार’ को 12वें दस्तावेज के रूप में शामिल करने के अनुरोध से कोई व्यावहारिक उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

राजभाषा हिंदी और हिंदी दिवस

डॉ अर्चना त्रिपाठी

राजभाषा, राज्य भाषा और राष्ट्रभाषा जैसे सूक्ष्म और सामान्य दृष्टि सतह पर एक सा अर्थ देते हैं परंतु भाषा की तात्विक अर्थ दृष्टि में और प्रयोग के धरातल पर इन शब्दों की अर्थ व्यंजकता भिन्न है। राज कार्य राजकीय कार्य चलाने की भाषा राजभाषा कहलाती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत किसी देश का प्रशासन चलाने के लिए राजभाषा के रूप में किसी महत्वपूर्ण भाषा को मान्यता दी जाती है हम दूसरे शब्दों में यह भी कह सकते हैं कि प्रत्येक राष्ट्र अपने संविधान निर्माण के समय प्रशासनिक कार्यों को चलाने के लिए किसी एक भाषा को राजकीय स्वीकृति प्रदान करता है। केंद्रीय और उसकी प्रादेशिक सरकार द्वारा पत्र व्यवहार अथवा सरकारी कामकाज की विधि पद्धति राजभाषा के माध्यम से संपन्न होती है।

राजभाषा हिंदी को संविधान की धारा 343 के अनुसार (1) संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी, संघ के राजकीय परिोजनाओं के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतराष्ट्रीय रूप होगा। संविधान लागू होने से 15 वर्ष की अवधि तक संघ के उन सभी राजकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा, जिनके लिए अभी तक उनका प्रयोग होता आ रहा है, इसी धारा में यह भी व्यवस्था कर दी गई कि उक्त समय अवधि में अपने आदेश द्वारा राष्ट्रपति संघ के राजकीय प्रयोजन के लिए अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी का प्रयोग भी कर सकेंगे।

14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया या मनाया जाना अनुचित नहीं है, अनुचित है उसे कर्मकांड और उत्सव धर्मी का स्वरूप प्रदान करना। प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी की प्रतिष्ठा में वृद्धि न करके हम उसका विसर्जन सा कर देते हैं। उसकी प्रतिभा को हम सही रूप नहीं दे पा रहे हैं। उसका समृद्ध साहित्य और लोक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उसकी उपयोगिता उसकी मान्यता का आधार बनती है।हिंदी और भारतीय भाषाएं दरिद्रों की भाषा नहीं है, अपितु वह आध्यात्म और प्रौद्योगिकी से लेकर विज्ञान का सुषमा तम जानकारी करने वाले शब्दों का भंडार है। संस्कृत उसकी मां है। एक शब्द के अनेक और अनगिनत शब्दों का निर्माण करने की धातु संपदा उसके पास है। भाषा को संवारने और उसे सुसंस्कृत करने वाला उसका व्याकरण प्रकृति और संस्कृति के बीच का सेतु है।

उसमें तर्क है, ल य है, और उसमें अनुरोध भी है, वैराग्य भी , उसमें संघर्ष का निषेध और समरसता की भावना है, भारतीय भाषाओं के साथ उसका सखी भाव सर्व व्याप्त है। उसको मार रहे हैं वह जो उसके नाम पर रोजी-रोटी कमाते खाते हैं। उसकी अब मानना कर रहे हैं वे जो भाषा का व्यापार करते हैं। उसका विकास नहीं होने दे रहे हैं वे जिन्होंने उसका औद्योगिकरण कर रखा है। उसके प्रचलन में बाधक हैं वह जिन्हें सत्ता और वोट की राजनीति के अतिरिक्त और कुछ नहीं समझते। जिन्हें यह डर है कि यह देश जब अपनी भाषा में बोलने लगेगा तो वह कहीं के नहीं रहेंगे। जरूर इस बात की है कि देशवासी सत्ता के इन दलालों से बचाना सीखें। इनका इरादा समझे और अपने-अपने इरादे पर दृढ़ता से कार्य करते रहें। अपने देश की भाषा में उनके राजकाज की भाषा से जवाब तलब करें और इसका मानसिक दबाव से मुक्ति हो की भाषा में क्या रखा है? भाषा कोई भी हो काम चलना चाहिए। भाषा कामकाज चलाने के लिए ही तो होती है।

कुछ चिंतनशील लोग हिंदी दिवस को जायज तो कुछ बिना मतलब ठहराएंगे। उनके मन में हिंदी के प्रति जो उदार है, जो चिंता है वह अखबारों में अक्षर से उभर आती है। लेकिन जब तक आप उनकी चिंता से रूबरू होते हैं तब तक 15 सितंबर हो गया होता है और यह चिंतितमनीषी हिंदी दिवस के अवसर पर जो संकल्पना लिए हुए रहते हैं उसे वह विसर्जित कर अपना थकान मिटा रहे होते हैं अथवा अपने बच्चों के लिए कॉवेंट स्कूल में दाखिले के लिए निवेदन कर रहे होते हैं । जब तक सियासत की बाजीगरी में मशगूल लोग भी हिंदी को उसका सही स्थान बताने व दिलाने की बात करते हैं पर उनके बच्चों के लिए अंग्रेजी ही विकास की खिड़की है इस अवसर पर सत्ता में बैठे लोगों की बात समझ में आती है कि वह हिंदी के पत्रकार भले ही हो पर हिंदी के साधन यह बताएंगे कि आखिर आजादी के बाद हिंदी सत्ता की कृपा की मोहताज कैसे हो गई? हिंदी एक सोच है जो भारतीयता के रूप में प्रकट होती है।

सू-दोक्

सूदोकू क्रमांक 22

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सूदोकू क्रमांक 21 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

मोदी और नीतीश की जोड़ी से सबकी हवा टाइट, अबकी चुनाव में जीतेगी 225 सीटें कपूरी ठाकुर के बेटे ने किया ऐसा ऐलान

शाहकुंड,14 सितंबर (एजेंसी)। भागलपुर जिले के शाहकुंड प्रखंड के अंबेडकर स्टेडियम में बुधवार को आयोजित सुल्तानगंज विधानसभा एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष साह ने, जबकि मंच संचालन जदयू विधायी अध्यक्ष विपिन बिहारी सिंह एवं शैलेन्द्र तोमर ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार की प्रगति और विकास के लिए जो कार्य किए हैं, वह जनता के सामने स्पष्ट है। इस शासनकाल में बिहार की जनता ने राहत महसूस की है और खुशहाली आई है। बिहार में हर वर्ग का चहुँमुखी विकास हो रहा है। एनडीए सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य सेवाओं में विकास कर रही है और नवयुवकों को रोजगार भी दे रही है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को 225 सीटें लाकर भारी बहुमत से जीतने का

आह्वान किया। बिहपुर विधायक ई शैलेंद्र ने 2005 के पूर्व और वर्तमान बिहार की तुलना करते हुए वोट देने का निर्णय लेने की अपील की। सांसद गिरधारी यादव ने कहा कि एनडीए सरकार में विकास की लहर दौड़ रही है। भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने कहा नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास की ओर अग्रसर है। पूर्व मंत्री रामनारायण मंडल ने 2005 के पहले के जंगल राज की चर्चा करते हुए वर्तमान सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित की। कलगांव विधायक पवन यादव ने भी



एनडीए सरकार की प्रगति की बात की। स्थानीय विधायक ललित मंडल ने सुल्तानगंज विधानसभा में किए गए विकास कार्यों की उपलब्धियां बताई और कार्यकर्ताओं से इस बार भी

बिहार में एनडीए की सरकार बनाने की अपील की। सभा को संबोधित करने वालों में पूर्व सांसद एवं विधायक सुबोध राय, हम पार्टी के राष्ट्रीय सचिव निलेश सिंह, हिमांशु पटेल,

अजय राय सहित दर्जनों नेता शामिल थे। सम्मेलन में हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच पहुंचाने का संकल्प लिया। पीरपैती विधानसभा स्तरीय एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के संपन्न होने के बाद भाजपा कार्यकर्ता दो खेमों में बंट गए हैं। दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा कार्यकर्ताओं के एक खेमे ने शेरमारी चौक पर बैठक आयोजित की, जिसमें मंडल अध्यक्ष हरे राम शर्मा,

भाजपा नेता शिव बालक तिवारी, मुन्ना सिंह, सरपंच वरुण गोस्वामी, ऋषिकेश सिंह, पंकज सिंह, धीरेंद्र जयसवाल आदि शामिल हुए। उन्होंने पिछले दिन कार्यकर्ता सम्मेलन में जुटे एनडीए कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि पीरपैती विधायक ललन पासवान ने पुराने भाजपा कार्यकर्ताओं को मंच पर स्थान नहीं दिया, जिससे कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। सम्मेलन में उन लोगों को सम्मानित किया गया, जो पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। विधायक

के इशारे पर ऐसा किया गया। जबकि वे कार्यकर्ता सम्मेलन की सफलता का श्रेय ले रहे हैं। ललन पासवान ने पलटवार करते हुए कहा कि मंच पर विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक और एनडीए के तीनों घटक दलों के जिला और प्रदेश पदाधिकारियों को स्थान दिया गया। सभी विधानसभा के वरिष्ठ नेताओं को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि जो लोग इस तरह के बयान दे रहे हैं, उनकी हमेशा पार्टी विरोधी गतिविधियों में सलिमता रही है।

मोदी ने चुनावी पिच पर फिर मारा छक्का... बिहार को एक झटके में दिए 7,616 करोड़ रुपये के 2 मेगा प्रोजेक्ट, झारखंड और बंगाल भी बमबम

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ठीक पहले केंद्र सरकार ने राज्य को दो बड़ी आधारभूत संरचना परियोजनाओं का तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 7,616 करोड़ रुपये की दो अहम योजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें एक परियोजना बिहार, झारखंड और बंगाल को जोड़ने वाले रेलवे ट्रैक का दोहरीकरण है, जबकि दूसरी हाई-स्पीड हाईवे परियोजना, जोकि पूर्वी बिहार की औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करेगी। बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 नजदीक है। ऐसे में राज्य को मिली 7,616 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है। रेल एवं सड़क दोनों योजनाएं न सिर्फ रोजमर्रा की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी बल्कि रोजगार, औद्योगिक निवेश और धार्मिक पर्यटन को भी नई दिशा देंगी। इनसे प्रधानमंत्री मोदी के गति शक्ति मास्टर प्लान और आत्मनिर्भर भारत के सोच के साथ चुनावी मैदान में विकास बनाम चावों की बहस को भी



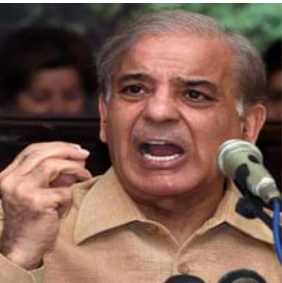
मजबूती मिलेगी। कैबिनेट ने 3,169 करोड़ रुपये की लागत से 177 किलोमीटर लंबी भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दी है। इस परियोजना के तहत परिचालन में आसानी होगी, भीड़भाड़ कम होगी और 15 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी। यह परियोजना बिहार के बांका के साथ झारखंड के गोड्डा और दुमका जैसे आकांक्षी जिलों को सीधा लाभ पहुंचाएगी। इसके अलावा, देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम) और तारापीठ जैसे धार्मिक स्थलों के साथ-साथ 441 गांवों और लगभग 29 लाख की आबादी को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। कोयला, सीमेंट, ज्वैरक, ईट और पत्थर जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए यह मार्ग रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह परियोजना लाभकारी होगी,

क्योंकि इससे पांच करोड़ लीटर ईंधन की बचत और 24 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। सड़क क्षेत्र में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कारिडोर के 82.4 किलोमीटर लंबे मोकामा-मुंगेर खंड को फोरलेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे के रूप में मंजूरी दी गई है। यह परियोजना हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर 4,447.38 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाएगी। यह परियोजना अगले तीन वर्षों में पूरी होगी। मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर और मुंगेर जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ने वाला यह हाईवे बिहार के उभरते औद्योगिक परिदृश्य को नई रफ्तार देगा। रक्षा मंत्रालय के आयुध कारखाने, जमालपुर वर्कशॉप, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और भागलपुरी सिल्क जैसी औद्योगिक गतिविधियों से जुड़े इस क्षेत्र में हाईवे बनने से निवेश और व्यापार को नया बल मिलेगा। इस कारिडोर पर वाहनों की औसत गति 80 किमी प्रतिघंटा होगी, जिससे यात्रा का समय डेढ़ घंटे तक घटेगा। साथ ही, इससे 14.83 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष और 18.46 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा।

जेनेवा, 14 सितंबर (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि उसे आतंकवाद के उस प्रायोजक से सबक लेने की जरूरत नहीं है जो वैश्विक सुरक्षा को खतरे में डालने वाले नेटवर्क को वित्तपोषित और पनाह देता है। जेनेवा स्थित भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने मंगलवार को कहा, हमें एक बार फिर उस देश के उसकावे का सामना करना पड़ा जिसके नेतृत्व ने हाल ही में अपने देश को डंप ट्रक बताया था। यह देश इस प्रतिष्ठित परिषद में लगातार झूठ और दुष्प्रचार पेश



कर रहा है। त्यागी ने मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र में एक बहस के दौरान भारत के संदर्भ में पाकिस्तान की टिप्पणी पर यह जवाब दिया। पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए त्यागी ने पहलगांम आतंकी हमले का जिक्र किया, जहां पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को



26 पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिकी सैन्य अभियान में मारे गए अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 9/11 को मत भूलिए, जिसकी बरसी दुनिया कल मनाएगी। आज हम उन लोगों का पाखंड देख रहे हैं जिन्होंने इस

आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड को पनाह दी और उसे शहीद के रूप में महिमामंडित किया। उन्होंने कहा, पुलवामा, उरी, पठानकोट, मुंबई... यह एक अंतहीन सूची है। स्विट्जरलैंड को अपनी चुनौतियों पर ध्यान देना चाहिए भारत ने अल्पसंख्यकों का मुद्दा उठाने के लिए स्विट्जरलैंड को करारा जवाब दिया है। भारत ने कहा कि स्विट्जरलैंड जैसे घनिष्ठ मित्र और सझेदार की ओर से इस तरह की सतही और गलत टिप्पणियां आश्चर्यजनक हैं। उसे नस्लवाद, भेदभाव और दूसरे देशों के लोगों के प्रति घृणा जैसी अपनी चुनौतियों पर ध्यान देना चाहिए। भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने मंगलवार को

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र के दौरान यह जवाब दिया। परिषद में स्विस् प्रतिनिधि ने कहा था कि उनका देश भारत सरकार से अल्पसंख्यकों की रक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वतंत्रता के अधिकारों को बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आह्वान करता है। त्यागी ने कहा कि चूंकि स्विट्जरलैंड संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की अध्यक्षता कर रहा है, इसलिए यह और भी महत्वपूर्ण है कि वह परिषद का समय ऐसे बयानों पर बर्बाद न करे जो स्पष्ट रूप से झूठे हैं और भारत की वास्तविकता के साथ न्याय नहीं करते हैं।

क्या एग्जीक्यूटिव साहब, हम गांव में पैदल घूम रहे, आप एसीआफिस में बैठकर ठंडी हवा खा रहे



बिहपुर, 14 सितंबर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार के पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता बुधवार को प्रखंड के हरियो पंचायत में बन रहे पंचायत सरकार भवन के कार्य की गुणवत्ता जांचने अचानक पहुंच गए। उन्होंने मौके पर मौजूद भवन निर्माण विभाग की सहायक अभियंता पूनम कुमारी व कनीय अभियंता रामजन्म कुमार से भवन कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने गुणवत्ता जांच के लिए ढाली गई फर्श की कुछ सामग्रियों, ईंट आदि के सैंपल भी लिए। मौके पर विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के मौजूद नहीं रहने व कुछ जरूरी जानकारीयों नहीं मिल पाने पर मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने फोन लगवाकर कहा कि क्या एसक्यूटिव साहब, मंत्री निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांच के लिए गांव-गांव घूम रहे हैं, और आप आफिस तक नहीं छोड़ रहे। क्या यही प्रोटोकाल है। मंत्री ने अपने साथ चल रहे अधिकारी को पटना से टीम भेजकर जिले में बन रहे सभी पंचायत सरकार भवनों की गुणवत्ता जांच करने के निर्देश दिए। मंत्री ने एस ड्राईक ईंट व ब्रिक्स ईंट निर्माण के बारे में सहायक अभियंता से जानकारी ली। बिहपुर समेत पूरे नवगछिया अनुमंडल में करीब 17 पंचायत सरकार बन रहे हैं। उन भवनों की प्राक्कलन राशि करीब तीन करोड़ रुपये है। इससे पूर्व मंत्री के हरियो पहुंचने पर वहां की मुखिया के नेतृत्व में लोगों ने बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, पंचायत सचिव आदि मौजूद थे।

मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से फोन पर की बात, इन बड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपनी इटालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा की और इसके लिए उनके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। यूक्रेन युद्ध के अलावा, दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। पीएम मोदी ने इतालवी प्रधानमंत्री के साथ फोन पर यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के उपायों और भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएएमईसी) के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर कहा, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने भारत-इटली रणनीतिक सह्योदारी को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता



दोहराई और यूक्रेन युद्ध को जल्द समाप्त करने की अपनी साझा इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, भारत-ईयू के बीच आपसी हितों पर आधारित व्यापार समझौते का समर्थन करने और आईएमईसी पहले के माध्यम से कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में इटली के सक्रिय सहयोग के लिए पीएम मेलोनी का धन्यवाद। भारत और यूरोपीय संघ इस साल के अंत

तक प्रस्तावित एफटीए को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। दोनों पक्ष इस सप्ताह नई दिल्ली में 13वें दौर की वार्ता कर रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ ने लगभग आठ वर्षों के अंतराल के बाद जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू की। जबकि दुरुल्लभ पहल को 2023 में दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान अंतिम रूप दिया गया।



भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान उनके काफिले को रोकने की कोशिश की।

नेपाल में अशांति से दिल्ली में बढ़ी चिंता, स्थिति नहीं सुधरी तो भारत में दिखने लगेगा ये असर!

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसी)। नेपाल में जारी हिंसा व राजनीतिक अस्थिरता से दिल्ली का थोक बाजार तथा उद्योग चिंतित है। क्योंकि, नेपाल, दिल्ली के लिए बड़ा बाजार है। अनुमान के अनुसार, करीब 10 हजार करोड़ रुपये का सालाना कारोबार दिल्ली का नेपाल से है। उसमें भी आटो, ट्रैक्टर व दो पहिया वाहन पार्ट्स के साथ ही कृषि उपकरण, जूते, चप्पल, कपड़े, प्लास्टिक के उत्पाद समेत अन्य जरूरतों के सामान दिल्ली से नेपाल को जाते हैं। जबकि, वनस्पति तेल तथा जड़ी-बूटियां व मसाले समेत कई सामान वहां से आते हैं। हिंसा व अनिश्चितता का माहौल ऐसे वक्त में है जब नवरात्र व दीपावली को लेकर



त्यौहारी मौसम को लेकर निर्यात में तेजी थी। पिछले दो दिनों से आयात-निर्यात पर पूरी तरह से ठप हैं। टुकों को देश की सीमा के भीतर ही रोक दिया गया है। बांग्लादेश के बाद अब नेपाल है, जहां विद्रोह ने दिल्ली के उद्योग-व्यापार को चिंता में डाला है। उद्योग नगर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमी संगठन के अध्यक्ष

अशोक गुप्ता के अनुसार, नेपाल दिल्ली वालों के लिए बड़ा बाजार है। जरूरी सामानों से लेकर अन्य सभी प्रकार की वस्तुएं भारत से जाती हैं। उसमें भी दिल्ली का बड़ा हिस्सा होता है। हिंसा से उद्योग नगर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमी चिंतित हैं क्योंकि प्लास्टिक गुड्स व जूते-चप्पल वहां जाते हैं। अगर वहां जल्द हालात नहीं

सुधरते तो उसका नुकसान यहां के उद्यमियों को उठाना पड़ सकता है। इसी तरह, कश्मीरी गेट, मोरी गेट व करोलबाग से भी बड़ी मात्रा में आटो, ट्रैक्टर व दो पहिया वाहनों के पार्ट्स नेपाल जाते हैं। आटोमोटिव पार्ट्स मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय नारंग के अनुसार, आटो पार्ट्स के इस हिस्से का निर्यात करीब एक हजार करोड़ रुपये का है। दो दिनों से कोई बुकिंग नहीं है। जो माल रास्ते में फंसा है, अब उसकी सुरक्षा व भुगतान की चिंता है। मोरीगेट ट्रैक्टर पार्ट्स के व्यापारी चंद्रभूषण गुप्ता के अनुसार, चिंता व्यापार के साथ बकायें का भी है। बांग्लादेश में यहां के थोक निर्यातकों का

बड़ा धन फंसा है। उस जैसी स्थिति न हो जाए। चिंता केवल इतने भर नहीं है। देश में नेपाल से सोयाबीन व पामोलीन खाद्य तेल आता है। नया बाजार के तेल विक्रेता व भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत गुप्ता के अनुसार, अगर स्थिति जल्द नहीं सुधरती तो उसका असर यहां खाद्य तेल में दिख सकता है। इसी तरह, कश्मीरी गेट, मोरी गेट व करोलबाग से भी बड़ी मात्रा में आटो, ट्रैक्टर व दो पहिया वाहनों के पार्ट्स नेपाल जाते हैं। आटोमोटिव पार्ट्स मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय नारंग के अनुसार, आटो पार्ट्स के इस हिस्से का निर्यात करीब एक हजार करोड़ रुपये का है।



चंडीगढ़, 14 सितंबर (एजेंसी)। राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया ने बताया कि बाढ़ के दौरान पिछले 24 घंटों में प्रदेश में और 88 गांव, 374 व्यक्ति तथा 55 हेक्टेयर खेती योग्य जमीन प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार अब तक प्रदेश के 22 जिलों में प्रभावित गांवों की कुल संख्या 2185 और प्रभावित व्यक्तियों की संख्या 3,88,466 तक पहुंच गई है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पिछले

24 घंटों के दौरान फिरोजपुर में एक और व्यक्ति की जान चली गई है, जिससे 15 जिलों में कुल मृतकों की संख्या 53 हो गई है। उन्होंने बताया कि पठानकोट में तीन व्यक्ति अभी भी लापता हैं। आगे बताया कि इसी अवधि में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 91 और लोगों को बाहर निकाला गया है, जिससे अब तक बचाए गए लोगों की संख्या 23,297 हो गई है। वर्तमान समय में प्रदेश भर में 115 राहत कैंप जारी हैं, जिनमें 4533 लोग बसेरा कर रहे हैं।

देवपहरी बनेगा आध्यात्म और राष्ट्रभक्ति का संगम

हिंगलाजगढ़ में होंगी सप्त अखंड ज्योतियां, स्थापित होंगी सात महापुरुषों की प्रतिमाएं



कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के ग्राम देवपहरी में आध्यात्म और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। गौमुखी सेवाधाम के तत्वावधान में हिंगलाजगढ़ की स्थापना की जा रही है, जहाँ देश के चारों दिशाओं से लाई जा रही सात अखंड ज्योतियों की स्थापना होगी। यह आयोजन न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शक्ति से

ऊर्जित करेगा, बल्कि महापुरुषों की गाथाओं से राष्ट्रप्रेम की अलख भी जगाएगा।

सेवाधाम के सचिव योगेश जैन ने बताया कि हिंगलाज माता का मूल स्थान बलूचिस्तान में है, जहाँ उन्हें नानी मां के नाम से पूजा जाता है। अब ग्रामवासियों की मांग पर देवपहरी में हिंगलाजगढ़ का निर्माण किलेनुमा स्वरूप में

किया जा रहा है। यहाँ देश के विभिन्न शक्तिपीठों कामाक्षी देवी कांचीपुरम, वैष्णो देवी कटरा, कामाख्या देवी गुवाहाटी 14 सितंबर को और पश्चिम से कालका देवी पावागढ़, गुजरात के लिए 15 सितंबर को दल निकलेगा। वहीं मध्य क्षेत्र से मैहर माता शारदा देवी 14 सितंबर को टोली रवाना होगी। सभी अखंड ज्योतियां 20 सितंबर तक कोरबा पहुँचेंगी और 22 सितंबर को नवरात्रि के प्रथम दिन देवपहरी में विधि-विधान से स्थापित की जाएंगी।

स्वयंसेवक पहुँचा रहे हैं अखंड ज्योत

विभिन्न शक्तिपीठों से स्वयंसेवक अखंड ज्योति लाने के लिए रवाना हो चुके हैं। दक्षिण से कामाक्षी देवी कांचीपुरम से 11 सितंबर को और उत्तर से वैष्णो देवी कटरा के लिए 12 सितंबर को दल रवाना हुआ है। पूर्व दिशा से कामाख्या देवी गुवाहाटी 14 सितंबर को और पश्चिम से कालका देवी पावागढ़, गुजरात के लिए 15 सितंबर को दल निकलेगा। वहीं मध्य क्षेत्र से मैहर माता शारदा देवी 14 सितंबर को टोली रवाना होगी। सभी अखंड ज्योतियां 20 सितंबर तक कोरबा पहुँचेंगी और 22 सितंबर को नवरात्रि के प्रथम दिन देवपहरी में विधि-विधान से स्थापित की जाएंगी।

महापुरुषों की गाथाओं से गूजेगा हिंगलाजगढ़

यहाँ सप्त सरोवर का निर्माण किया जा रहा है, जहाँ भारत माता की प्रतिमा के साथ सात महापुरुषों की मूर्तियां स्थापित होंगी। इनमें गुरु गोविंद सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, छत्रपति शिवाजी और अन्य राष्ट्रनायकों की प्रतिमाएं शामिल होंगी। इनके साहस और बलिदान की गाथाएं युवाओं में देशभक्ति की चेतना जगाएंगी।

ग्रामीणों की भावनाओं का केंद्र बनेगा हिंगलाजगढ़

ग्राम देवपहरी और आसपास के 40 गाँवों से मिट्टी लाकर माई कलशा का पूजन किया जाएगा। इस पावन धाम में न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा बल्कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति का भी संदेश फैलेगा।

वीडियो बना रहे ग्रामीणों को हाथी ने दौड़ाया, 3 घंटे तक मचाई तबाही

घर-दुकान तोड़े, कार-बाइक के शीशे भी फोड़े



कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की ग्राम पंचायत पसान बस्ती में शनिवार (13 सितंबर) की रात एक दंतेल हाथी ने खूब उत्पात मचाया। हाथी ने 3 घंटे तक बस्ती में घूमता रहा। इस दौरान उसने ग्रामीणों के घर, दीवारें, दुकानों के शटर, बाइक और कार के शीशे तोड़ दिया। हाथी की दहाड़ सुनकर बस्ती में अफरा-तफरी मच गई। लोगों को अपनी जान बचाने के लिए घरों की छतों पर चढ़ना

पड़ा। एक स्टाफ नर्स की आटा चक्की का शटर तोड़कर हाथी ने अंदर रखा धान खा लिया। वहीं, ग्रामीणों ने हाथियों का वीडियो भी बनाया जिसके बाद हाथी ने उन्हें दौड़ा दिया। पसान के वार्ड नंबर 8 के पंच की कार और एक किसान की बाइक को हाथी ने नुकसान पहुंचाया। ग्रामीण वन विभाग के कर्मचारियों के साथ हाथी को खदेड़ने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान कुछ लोग वीडियो और सेल्फी लेने के चक्कर में

हाथी के करीब पहुंच गए। हालांकि कोई बड़ी घटना नहीं हुई। हाथी ने फसलों को भी नुकसान पहुंचाया। डिप्टी रेंजर ईश्वर दास मानिकपुरी के अनुसार, हाथी को जंगल की ओर खदेड़ दिया गया है। वन विभाग हाथी पर नजर रख रहा है। साथ ही ग्रामीणों को भी सुरक्षा संबंधी जरूरी दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और कई लोगों को दूसरों के घरों में शरण लेनी पड़ी।

जमीन धसान से दहशत में ग्रामीण मवेशियों की हो रही मौत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के बीजाडांड, पुटीपखना, केंदई समेत आसपास के कई गांवों में ग्रामीण इन दिनों जमीन धंसान से दहशत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि एसईसीएल की विजय वेस्ट कोयला खदान के लगातार विस्तार के चलते यह समस्या और गंभीर होती जा रही है।

बरसात के दिनों में जमीन तेजी से धंस रही है। इससे खेतों और चरागाहों में गहरी दरारें पड़ रही हैं। कई मवेशी इन गड्ढों में गिरकर मौत के शिकार हो चुके हैं। हाल ही में एक ग्रामीण



ने वीडियो साझा कर यह दिखाया कि उसकी गाय जमीन धंसने से बनी खाई में समा गई और वहीं उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह तो केवल एक उदाहरण है, न जाने कितने मवेशी इस

तरह काल के गाल में समा चुके हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि न तो प्रशासन और न ही वन विभाग इस गंभीर समस्या पर ध्यान दे रहा है। खानापूर्ति के लिए नोटिस जारी कर दिए जाते हैं, लेकिन धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। गर्मी के दिनों में इस धंसान का असर और अलग रूप में दिखता है, जब भूजल स्तर तेजी से गिरने लगता है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि आखिर उनकी समस्या का समाधान कौन करेगा, जबकि जिम्मेदार विभाग लगातार चुप्पी साधे हुए हैं।

चाकू की नौक पर युवक को ले जाकर बेरहमी से मारपीट, जिला अस्पताल में भर्ती

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर में एक युवक को चाकू की नौक पर धमकाकर जबरन ले जाकर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। घायल युवक का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। प्राथी चिन्माराव (31), निवासी शिवाजी नगर, थाना सिविल लाइन ने रिपोर्ट दर्ज कराई

है कि उसका छोटा भाई कोण्डराव (27) 11 सितंबर को घर में था। उसी दिन रात करीब 9:30 बजे उसके भांजे ने फोन पर बताया कि गौतम नामक युवक ने पुराने विवाद के समझौते के बहाने कोण्डराव को घंटाघर बुलाया है। इसके बाद चिन्मा ने भाई को फोन किया, जहां से

गाली-गलौच की आवाज आई और कॉल कट गया। रात लगभग 11:20 बजे कोण्डराव ने फोन कर बताया कि उसे मारपीट कर धर्म अस्पताल के बाहर छोड़ दिया गया है। मौके पर पहुंचने पर उसके पैर और नाक से खून बह रहा था। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों

ने उसे चाकू की नोक पर बाइक से उठाकर 15 ब्लॉक पंप हाउस रावण मैदान ले जाकर बुरी तरह पीटा। आरोप है कि गौतम सिंह ने चाकू से शनि ठाकुर ने पेचकस से, नोमोन ने सिर पर किसी वस्तु से हमला किया, जबकि एक अन्य युवक ने नाक पर चोट पहुंचाई। इसके बाद उसे धमकी दी गई कि

अगर थाने में शिकायत करेगा तो जान से मार दिया जाएगा। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने गौतम सिंह, शनि ठाकुर, नोमोन और अन्य साथियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 118(2), 351(2), 140 (2), 296, 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक को धमकाकर घर से मंगवाए जेवरात, तीन पर अपराध दर्ज

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुरानी बस्ती क्षेत्र में युवक को डरा-धमकाकर घर से कीमती जेवरात मंगवाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित पिता ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्राथी हृदय नारायण सिंह ठाकुर

(64 वर्ष), निवासी भंडारी चौक, पुरानी बस्ती ने पुलिस को बताया कि उनके घर की अलमारी में सोने और चांदी के गहने रखे थे। इनमें गले का हार, कान की बाली, कंगन, सोने की चैन, पायल, बिछिया और अन्य आभूषण

शामिल थे। आरोप है कि मोहल्ले में रहने वाले बाबुल जायसवाल और प्रदीप निर्मलकर ने उनके पुत्र खुशहाल सिंह को बार-बार धमकाकर और प्रताड़ित कर अलमारी से धीरे-धीरे सभी जेवरात मंगवाकर ले लिए। इनके साथ

मोहल्ले का एक और युवक चैन नाम का उनके साथ शामिल था। मामला तब उजागर हुआ जब 9 सितंबर को भतीजी की शादी की तैयारी के दौरान अलमारी खोली गई। जेवरात गायब मिलने पर बेटे से पूछताछ हुई, तब पूरी

घटना सामने आई। यह घटना 28 जुलाई से 1 सितंबर के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धारा 308(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

अजगरबहार विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजगरबहार में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक फूलसिंह राठिया रहे। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वृक्ष मां के नाम पर लगाना और उनका संरक्षण करना सभी का कर्तव्य है। सरपंच नारायण सिंह की अध्यक्षता एवं एसएमडीसी अध्यक्ष अमर सिंह कंवर एवं रफीक मेमन बीडीसी, लवभूषण प्रताप सिंह पूर्व सरपंच, अमर सिंह कंवर अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के विशिष्ट आतिथ्य सहित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।



कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना और छत्राओं द्वारा स्वागत गीत से हुई। इसके बाद अतिथियों, माताओं और शिक्षकों ने मिलकर फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। प्राचार्य अनुपमा राजवाड़े ने कहा कि मां के नाम

वृक्षारोपण माता और प्रकृति के गहरे संबंध को दर्शाता है। व्याख्याता मानसिंह राठिया ने कहा कि पेड़ लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं बल्कि माता के प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को भी

प्रकट करता है। इस अवसर पर लखन लाल डहरिया, सुभाष चंद्र महतो, गिरधारी लाल यादव, अमर सिंह खुराना, के बी निमजा, नेहा रानी राठौर, गामता साहू, विजय कुमार ठाकुर, हेमंत साहू,

कृष्णा दास महंत, प्रमिला एक्का, प्रताप सिंह कंवर, हनुमान सिंह उर्, कुलदीप साहू, मंजू लता सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, मीनू निराला, शिवकुमार पटेल, नमिता केरकेड्डा, अंजलि तंवर, नीरा, शनिराम, रांगूराम, विधायक प्रतिनिधि प्रवीण कुमार ओगरे, जय किशन पटेल, इब्राहिम फारुकी, रोशन खांडे, निज सहायक गत्तूराम राठिया, दादूलाल पटेल, अभिषेक कुमार राठिया, विसाहूराम पटेल, लकेश्वर वर्मा, विजय कुमार राठिया, संतोष सिंह तंवर सहित बड़ी संख्या में माताओं और ग्रामीणों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सुभाष चंद्र महतो ने किया और आभार प्रदर्शन लखन लाल डहरिया ने किया।

बालको मुख्य मार्ग पर कार खाई में गिरी, चारों यात्री सुरक्षित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बालको मुख्य मार्ग पर शनिवार सुबह बड़ा हादसा टल गया। बलौदा जिले से आ रही एक कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे करीब 30 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय कार में चार लोग सवार थे। गनीमत रही कि सभी यात्री सुरक्षित रहे और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि वाहन को भारी क्षति पहुंची है।



हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और पुलिस-प्रशासन को सूचना दी। थोड़ी ही देर में स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम ने पहुंचकर कार को बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। ग्रामीणों और राहगीरों ने इस खतरनाक मोड़ पर सुरक्षा इंतजाम को कमी पर नाराजगी जताई है। उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द बैरिकेड और अन्य सुरक्षा व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल हादसे से यातायात प्रभावित नहीं हुआ है।

कलेक्टोरेट परिसर से बाइक चोरी नहीं मिला कोई सुराग



कोरबा (छ.ग.गौरव)। सीएम प्रवास से एक दिन पहले मंगलवार दोपहर कलेक्टोरेट परिसर से एक युवक की बाइक सीजी-10-ईएन-8769 चोरी हो गई। युवक जब बाइक लेने पहुंचा तो घटना का पता चला, जबकि उस दौरान परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी चल रही थी। युवक ने पुलिस अधिकारियों को बाइक चोरी होने की जानकारी दी, जिससे हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों ने पतासाजी कर बाइक जल्द खोज निकालने का आश्वासन देकर युवक को रिपोर्ट लिखाने से रोक लिया। कलेक्टोरेट परिसर में लगे सीसी कैमरे के फुटेज खंगाले गए तो एक युवक उक्त बाइक को लेकर पिछले गेट से बाहर जाता नजर आया। बाइक मालिक युवक ने सोचा पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी को जल्द पकड़कर बाइक वापस दिला देगी, लेकिन 5 दिन बीतने के बाद भी सिविल लाइन पुलिस ने बाइक चोर के संबंध में कोई सुराग नहीं मिलाता बताया।